E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 08 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, बुधवार 22 जुलाई, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

दिल्ली छात्र प्रदर्शन के दौरान केरल के मंत्री पी.सी. विष्णुनाथ हिरासत में, कांग्रेस ने पुलिस कार्रवाई की निंदा की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान केरल के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री पी.सी. विष्णुनाथ को मंगलवार शाम दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इस घटना के बाद छात्र आंदोलन ने नया राजनीतिक मोड़ ले लिया, जिसमें कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। पी.सी. विष्णुनाथ केरल से जुड़े विभिन्न परियोजनाओं के संबंध में केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात के लिए दिल्ली आए थे। आधिकारिक कार्यक्रम पूरा करने के बाद वह छात्रों के समर्थन में चल रहे प्रदर्शन में शामिल हो गए। प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए जब दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई शुरू की तो विष्णुनाथ समेत कई कांग्रेस नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि विष्णुनाथ ने पुलिस को कई बार बताया कि वह केरल सरकार में कार्यरत कैबिनेट मंत्री हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें अन्य प्रदर्शनकारियों के साथ पुलिस बस में बैठाकर हिरासत में ले जाया गया।

पुलिस बस के अंदर से मीडिया से बातचीत करते हुए विष्णुनाथ ने कहा कि यह आंदोलन जारी रहेगा और केंद्र सरकार को अंततः प्रदर्शनकारियों की मांगों के आगे झुकना पड़ेगा।

उन्होंने कहा, 'यह सरकार इस आंदोलन के सामने पीछे हटने के लिए मजबूर होगी। यह देश के युवाओं के भविष्य की लड़ाई है और आने वाले दिनों में यह आंदोलन और मजबूत होगा।'

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सात बार के लोकसभा सांसद कोडिकुन्निल सुरेश को भी हिरासत में लिया गया। कांग्रेस सांसद डीन कुरियाकोस भी उन नेताओं में शामिल रहे, जिन पर पुलिस ने कार्रवाई की। छात्रों के समर्थन में आयोजित इस प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन, केरल के कई सांसदों और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने भी भाग लिया।

केरल सरकार के एक मौजूदा मंत्री की हिरासत के बाद इस आंदोलन को नया राजनीतिक आयाम मिल गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक विरोध को दबाने की कोशिश कर रही है। पार्टी ने स्पष्ट किया कि यह देश के युवाओं के भविष्य से जुड़ा आंदोलन है और जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। दिल्ली

पुलिस की ओर से इस संबंध में कहा गया कि संसद सत्र और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए निर्धारित क्षेत्रों के बाहर किसी भी प्रकार के प्रदर्शन की अनुमति नहीं थी। पुलिस के अनुसार, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और निषेधाज्ञा का पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों के साथ कानूनी प्रक्रिया के अनुरूप व्यवहार किया गया तथा स्थिति सामान्य होने के बाद आगे की कार्रवाई की गई। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में छात्र, राजनीतिक कार्यकर्ता और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और छात्रों से जुड़े अन्य मुद्दों पर अपनी मांगें दोहराईं। उन्होंने सरकार से इन विषयों पर गंभीरता से विचार करने और शीघ्र समाधान निकालने की अपील की। वहीं, कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले प्रदर्शनकारियों के साथ सख्ती बरती गई। पार्टी का कहना है कि छात्रों की चिंताओं को बल प्रयोग के बजाय संवाद के माध्यम से संबोधित किया जाना चाहिए। कांग्रेस ने यह भी कहा कि शिक्षा और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर सरकार को सभी पक्षों के साथ सकारात्मक बातचीत करनी चाहिए। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर सरकार, विपक्ष और छात्र संगठनों के रुख पर सभी की नजर बनी रहेगी।

सफदरजंग अस्पताल से मेदांता अस्पताल (गुरुग्राम) शिफ्ट किए गए सोनम वांगचुक, दिल्ली हाई कोर्ट से मिली इजाजत

नई दिल्ली। जलवायु कार्यकर्ता एवं शिक्षाविद सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल के लिए रवाना कर दिया गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय (Division Bench) से निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने की अनुमति मिलने के बाद एम्बुलेंस के माध्यम से उन्हें भारी सुरक्षा के बीच मेदांता ले जाया जा रहा है।

सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने यह फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि नागरिक के मौलिक अधिकारों और उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें उनकी पसंद के अस्पताल (मेदांता) में इलाज कराने की अनुमति दी जा रही है। केंद्र सरकार (सोलिसिटर जनरल तुषार मेहता) ने भी इस स्थानांतरण पर कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई।

हाई कोर्ट ने मेदांता अस्पताल के निदेशक को निर्देश दिया है कि सोनम वांगचुक के इलाज और स्वास्थ्य की निरंतर निगरानी के लिए विशेषज्ञों की एक विशेष टीम गठित की जाए। इसके अलावा, सफदरजंग और एम्स में की गई सभी जांच रिपोर्ट एवं मेडिकल रिकॉर्ड तुरंत मेदांता प्रबंधन को सौंपने के आदेश दिए गए हैं। बिगड़ते स्वास्थ्य के चलते 18 जुलाई को दिल्ली पुलिस द्वारा उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

PM आवास के बाहर धरने पर बैठे राहुल गांधी को उठा ले गई पुलिस

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री आवास के पास धरना प्रदर्शन कर रहे विपक्ष के नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। राहुल गांधी से पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव को पुलिस ने हिरासत में लिया। अखिलेश यादव भी अपने सांसदों के साथ राहुल गांधी को समर्थन देने पहुंचे हुए थे। तीनों नेताओं को पुलिस जबरन धरना स्थल से उठाकर थाने ले गई। दिल्ली पुलिस ने पहले राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की सिक्योरिटी को हिरासत में लिया। इसके बाद राहुल और प्रियंका को डिटेन किया गया। प्रियंका गांधी लगातार बस के गेट पर खड़ी रहीं। महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें बस के अंदर करने की कोशिश की, लेकिन वो नहीं मानी फिर तीन चार महिला पुलिसकर्मी ने उन्हें पकड़ा और गेट पर खड़े खड़े ही उन्हें डिटेन करके ले जाता गया। दिल्ली पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बीजेपी और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। प्रियंका ने कहा, 'वे डरपोक हैं। वे डरे हुए हैं। हम उनसे नहीं डरते। वे हमसे डरते हैं।' हिरासत में लिए जाने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बीजेपी और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने पर कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि यह अंत नहीं है।

कॉकरोच जनता पार्टी ने विजेता दहिया को प्रवक्ता पद से हटाया, वीडियो वायरल होने के बाद एक्शन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपने प्रवक्ता विजेता दहिया को पद से हटा दिया है। यह फैसला ऐसे वीडियो के सामने आने के बाद लिया गया, जिन्हें पार्टी ने असंवेदनशील आचरण बताया है। पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और पार्टी कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा कथित बल प्रयोग के दौरान विजेता दहिया के कुछ वीडियो सामने आए, जिनमें उनका व्यवहार पार्टी के मूल्यों और सिद्धांतों के अनुरूप नहीं पाया गया। बयान में कहा गया, 'हम अपने प्रवक्ता विजेता दहिया की अत्यंत असंवेदनशील हरकतों की कड़ी निंदा करते हैं। ऐसे समय में, जब शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी और हमारी टीम पुलिस हिंसा का सामना कर रही थी, उनका व्यवहार पूरी तरह अस्वीकार्य था। यह गंभीर निर्णयहीनता को दर्शाता है और हमारे आंदोलन के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।'

पार्टी ने कहा कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए विजेता दहिया को तत्काल प्रभाव से प्रवक्ता पद से हटाया जा रहा है। साथ ही उन्हें पार्टी की सभी आधिकारिक जिम्मेदारियों और दायित्वों से भी मुक्त कर दिया गया है। बता दें कि 20 जुलाई को जब बड़ी संख्या में छात्र प्रदर्शनकारी संसद की ओर मार्च करने की कोशिश में लगे हुए थे और इस दौरान लाठीचार्ज भी किया गया। बताया जा रहा है कि इस दौरान विजेता दहिया आंदोलन में नहीं थे। उनका बर्गर खाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, दहिया का कहना है कि वह प्रदर्शन खत्म होने के बाद फ्रेश होने के लिए घर गए थे। उन्हें भूख लगी थी इसी कारण बर्गर खा लिया था। इसमें कोई गलत बात नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि इस बात पर विवाद प्रदर्शन में शामिल लोग नहीं कर रहे, बल्कि वे लोग इसे बढ़ावा दे रहे हैं, जो इस मार्च में कभी शामिल नहीं हुए। सीजेपी की तरफ से कहा गया है कि 21 जुलाई को भी जंतर-मंतर और उसके आस-पास भारी भीड़ जमा हो गई है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बहराइच में 352 करोड़ की 70 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

बहराइच। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बहराइच के महसी विधानसभा क्षेत्र स्थित तेजवापुर के बेड़नापुर रामलीला मैदान से 352 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 70 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने न तो बहराइच के विकास पर ध्यान दिया और न ही प्रदेश के गौरवशाली इतिहास और महापुरुषों को सम्मान दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत को भी समान महत्व दे रही है। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की सरकारों ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानी महाराजा बलभद्र सिंह चहलारी और महाराजा सुहेलदेव जैसे वीरों की उपेक्षा की।

छात्र आंदोलन पर भाजपा का कांग्रेस पर हमला, कहा- विरोध को दिया गया राजनीतिक रंग

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में छात्र आंदोलन और हालिया विरोध प्रदर्शनों को लेकर सियासी बयानबाजी लगातार तेज होती जा रही है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों द्वारा छात्रों के समर्थन में किए जा रहे प्रदर्शनों के बीच भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने विपक्ष पर राजनीति करने और तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगाया। भाजपा सांसद मदन राठौड़ ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, 'जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन को अनावश्यक रूप से राजनीतिक रंग दिया गया। प्रदर्शन के दौरान जिन लोगों को मामूली चोटें आईं और अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी जांच में यह सामने आया कि उनमें कोई भी छात्र शामिल नहीं था। ऐसे लोगों को प्रदर्शन में लाया गया, जिनका नीट परीक्षा से कोई संबंध नहीं था। यदि विपक्ष किसी मुद्दे पर सवाल उठाना चाहता है तो उसके लिए संसद सबसे उपयुक्त मंच है।'

पीएम आवास के बाहर धरना दे रहे विपक्षी नेताओं को पुलिस ने हटाया, राहुल गांधी बोले-जोर आजमा लो, लड़ाई नहीं रुकेगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास के बाहर धरना दे रहे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और कई सांसदों को पुलिस ने हटा दिया है। इसके बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, हर जोर आजमा लो, सारी ताकत लगा लो-छात्रों के इंसाफ की ये लड़ाई अब रोके न रुकेगी। ये नेता जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज के विरोध में लोक कल्याण मार्ग की ओर मार्च कर रहे थे। राहुल गांधी काफी देर तक सड़क पर ही डटे रहे और हटने से इनकार कर दिया। उन्हें कई पुलिसकर्मियों ने घेर लिया और फिर विपक्ष के दूसरे नेताओं के साथ पुलिस की गाड़ी में ले जाया गया। यह विरोध प्रदर्शन संसद तक छात्रों के मार्च में पुलिस के दखल के एक दिन बाद हुआ।

इससे पहले, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने खड़गे के घर से प्रधानमंत्री के आवास तक पार्टी कार्यकर्ताओं का नेतृत्व किया और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष के अभियान को तेज किया। हिरासत में लिए जाने से पहले राहुल ने लोगों से धरने में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि छात्रों पर हमला हर भारतीय परिवार पर हमला है और सरकार पर छात्रों की चिंताओं का जवाब न देने का आरोप लगाया।

इससे पहले केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह राहुल गांधी से मिले। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बातचीत बेनतीजा रही क्योंकि पार्टी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और परीक्षा पेपर लीक पर संसद में चर्चा की मांग पर अड़ी रही।

कांग्रेस सांसद नसीर हुसैन ने कहा कि पार्टी अपनी मांगें पूरी होने तक विरोध जारी रखेगी, हालांकि जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर संसद में चर्चा करने के लिए तैयार थी और आरोप लगाया कि बाद में

कांग्रेस ने मंत्री के इस्तीफे को शर्त बना दिया। कांग्रेस ने यह भी मांग की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार के मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के लिए माफी मांगें या इस्तीफा दें। इस विरोध प्रदर्शन को एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव समेत अन्य नेताओं का समर्थन मिला है। विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, विपक्षी दलों के नेता और समर्थक मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर नारेबाजी की तथा सरकार से अपनी मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए लोक कल्याण मार्ग और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती की गई थी। दूसरी ओर, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक विरोध को बलपूर्वक रोकने का प्रयास किया गया।

'राजनीतिक हित विरोध-प्रदर्शनों को पटरी से उतार रहे हैं, फैला रहे अराजकता', पेपर लीक पर CM फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को विपक्षी दलों और राजनीतिक संगठनों पर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि ये दल और संगठन नीट पेपर लीक के मामले में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों का इस्तेमाल अपने स्वार्थ के एजेंडे को आगे बढ़ाने और राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने के लिए कर रहे हैं। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए, मुख्यमंत्री फडणवीस ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' और जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के विरोध प्रदर्शनों पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन एक मौलिक संवैधानिक अधिकार है, लेकिन इसके साथ कुछ कर्तव्य और जिम्मेदारियां भी जुड़ी होती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शांतिपूर्ण और अधिकृत प्रदर्शनों को हमेशा अनुमति दी जाएगी। हालांकि, उन्होंने हिंसा का सहारा लेने वाले अनधिकृत प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'लोकतंत्र में हर किसी को विरोध करने का अधिकार है, लेकिन ऐसा करते समय संविधान से मिले अधिकारों और जिम्मेदारियों, दोनों का ध्यान रखना चाहिए।

राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने के इरादे से अनधिकृत विरोध-प्रदर्शन करना और हिंसा का सहारा लेना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। ऐसी गतिविधियों के खिलाफ जरूरी कार्रवाई की जानी चाहिए।'

मुख्यमंत्री फडणवीस ने इस बात पर जोर दिया कि जब विरोध प्रदर्शनों में कोई स्पष्ट केंद्रीय नेतृत्व नहीं होता है, तो अवसरवादी और गलत इरादे वाले लोग अक्सर व्यक्तिगत या राजनीतिक लाभ के लिए स्थिति का फायदा उठाते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि कई राजनीतिक दलों और संगठनों ने, जिन्हें नीट या प्रभावित छात्रों की कोई वास्तविक चिंता नहीं है, केवल अशांति फैलाने के लिए इस आंदोलन में घुसपैठ की है।

उन्होंने कहा, 'जब कोई आंदोलन बिना चेहरे और बिना नेता का होता है, तो उसमें कुछ खास तरह के तत्व शामिल हो जाते हैं। वे प्रदर्शनकारियों के कंधे पर बंदूक रखकर अपने स्वार्थी लक्ष्यों को हासिल करने की कोशिश करते हैं। इनमें से कई लोगों को यह भी नहीं पता कि नीट क्या है या यह कब हुई थी। वे केवल अपना राजनीतिक एजेंडा आगे बढ़ा रहे हैं।' जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर पुलिस के लाठीचार्ज का जिक्र करते हुए, मुख्यमंत्री ने कानून लागू करने वाली एजेंसियों का बचाव किया।

भारत दुनिया की सबसे प्रभावशाली आवाजों में शामिल : नॉर्थ मैसिडोनिया की राष्ट्रपति

स्कोप्जे। नॉर्थ मैसेडोनिया की राष्ट्रपति गोर्डाना सिल्यानोव्स्का-दावकोवा ने मंगलवार को भारत की सभ्यतागत विरासत और दुनिया में उसकी बढ़ती अहमियत की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे लंबे समय से चली आ रही सभ्यताओं में से एक है। उन्होंने कहा कि आज भारत आर्थिक विकास, तकनीकी नवाचार और वैज्ञानिक उपलब्धियों में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और वैश्विक स्तर पर सबसे प्रभावशाली आवाजों में शामिल है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए नॉर्थ मैसिडोनिया की राष्ट्रपति गोर्डाना सिल्यानोव्स्का-दावकोवा ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत बेहद सौहार्दपूर्ण, खुली और भविष्य पर केंद्रित रही। भारत और नॉर्थ मैसिडोनिया के रिश्तों में अभी भी आगे बढ़ने की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, 'आज हमारी बातचीत बेहद सौहार्दपूर्ण, खुली और भविष्य को ध्यान में रखकर हुई। हमने अपने अच्छे राजनीतिक संबंधों की पुष्टि की और इस बात पर सहमति जताई कि दोनों देशों के रिश्तों में अभी बहुत संभावनाएं हैं।'

संपादकीय

युवा सुयोग बनेगा बदलाव का माध्यम, पंचायत और वार्डों में विकसित होगा युवा नेतृत्व : भजनलाल शर्मा

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खेल-खेल में युवाओं को राष्ट्र निर्माण, खेल और कौशल विकास से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री युवा सुयोग का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं की शक्ति को सामर्थ्य में बदलने के लिए युवा सुयोग प्लेटफॉर्म एक सही दिशा, सही अवसर और सही मंच उपलब्ध कराएगा। क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी और फुटबॉल जैसे सामूहिक खेलों के माध्यम से प्रदेश की प्रत्येक पंचायत और वार्ड में युवा नेतृत्व विकसित होगा और वे अपनी प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 65 प्रतिशत युवा आबादी के साथ हमारा देश विश्व का सबसे युवा देश है। यही युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवा शक्ति को राष्ट्र-निर्माण में सक्रिय सहभागी बनाने के लिए माय भारत की अभिनव पहल की है। इसी से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार ने सुयोग प्लेटफार्म जैसी क्रांतिकारी शुरूआत की है। इस प्लेटफॉर्म को माय भारत पोर्टल के साथ एकीकृत किया जाएगा, ताकि युवा को इसका अधिक से अधिक लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने बारां और बगरू के खिलाड़ियों और युवाओं से संवाद करते हुए उनके विचार जाने। युवाओं ने कहा कि मुख्यमंत्री की इस पहल से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का प्रभावी मंच मिलेगा। साथ ही, युवाओं को कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसर भी सुलभ होंगे। इस पर मुख्यमंत्री ने युवाओं से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समाज में स्वास्थ्य जागरूकता के अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्थानीय प्रतिभाएं खेल के मैदान में देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने कहा कि युवाओं को खेलने का मौका मिलता रहे और उनकी रूचि विकसित हो, इसके लिए राज्य सरकार संकल्पित होकर कार्य कर रही है। गांव से लेकर कस्बों तक खेल सुविधाओं एवं सेवाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। हमारी सरकार युवाओं से विभिन्न विषयों पर संवाद कर उनके सुझावों को बजट में शामिल कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में हर क्षेत्र में कार्य करते हुए युवाओं को सफलता की पहली से लेकर अंतिम सीढ़ी तक की यात्रा में पूर्ण सहयोग कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य

सरकार की मंशा है कि युवाओं के सुझावों के मुख्य आधार पर ही खेल की नीतियां तैयार की जाए। इसी क्रम में युवा सुयोग के अंतर्गत राज्य सरकार जमीनी स्तर पर प्रतियोगिताओं की शुरूआत करेगी।

वार्ड और पंचायत स्तर से आगे बढ़कर विजेता टीमें विधानसभा क्षेत्र स्तर पर अपना हुनर दिखाएंगी और युवाओं को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। युवा इसके लिए सुयोग पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए स्कूल, कॉलेज तथा पंचायत और वार्ड के खेल मैदानों की डिजिटल पहचान भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि सुयोग प्लेटफार्म एक डिजिटल क्रांति है जो प्रदेश के हर गांव, हर वार्ड के अंतिम पंक्ति के युवाओं की ट्रैकिंग कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ेगी। इसके माध्यम से बड़ा सामाजिक बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर सुयोग युवा क्लब स्थापित किए जाएंगे, जिनमें सुयोग प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत प्रत्येक युवा सदस्य होगा। ये जिला क्लब ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत स्तर और शहरी क्षेत्रों में वार्ड स्तर के युवा क्लबों से जुड़ेंगे। प्रारंभिक रूप से बगरू विधानसभा क्षेत्र और बारां जिले से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसकी शुरूआत जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा सुयोग के अंतर्गत स्कूलों, कॉलेजों और सामुदायिक केंद्रों पर विशेष पंजीकरण शिविर लगाए जाएंगे। युवाओं की नेतृत्व क्षमता को परखने के लिए स्वच्छता अभियान और डिजिटल साक्षरता जैसे स्वयंसेवक कार्य शिविर भी आयोजित किए जाएंगे।

प्रधान खनिजों के 141 ब्लॉकों की ई-नीलामी के साथ राजस्थान देशभर में अव्वल

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान खनन क्षेत्र का सिरमौर बन कर उभर रहा है। प्रधान खनिजों के 141 खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी के साथ राजस्थान ने प्रधान खनिजों की नीलामी में देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। ई-नीलामी प्रक्रिया से बदल रही प्रदेश में खनन की तस्वीर—खान एवं भूविज्ञान विभाग द्वारा ई-नीलाम किये गये 141 प्रधान खनिज ब्लॉकों में से 105 खनिज ब्लॉकों की माइनिंग लीज और 30 खनिज ब्लॉकों की कंपोजिट लाइसेंस के लिए नीलामी की गई है। इसके अलावा एक एक्सप्लोरेशन लाइसेंस के लिए नीलामी की गई है। सामरिक महत्व को देखते हुए इनमें से राजस्थान से ही 7 क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल ब्लॉकों की नीलामी भारत सरकार द्वारा की गई है। राज्य में ई-नीलामी प्रक्रिया लागू होने के बाद से अब तक सर्वाधिक 101 लाइमस्टोन के ब्लॉकों की नीलामी हुई है। इसके अलावा आयरन ओर के 13, बेसमेटल के 8, सिलियस अर्थ के 4, मैगनिज के 3, गोल्ड के 2, पोटाश एवं हैलाइट के 2, रेयर अर्थ एलिमेंट के 4 और गार्नेट, एमरल्ड, फ्लोराइट व रॉक फास्फेट के एक-एक ब्लॉकों की नीलामी हुई है।

मुख्य सचिव ने स्वास्थ्य भवन में सुरक्षित मातृत्व सेवाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा की

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रदेश में सुरक्षित मातृत्व सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने तथा गर्भवती महिलाओं के रेफरल प्रबंधन को डिजीटल माध्यम से सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। इस पर उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम तथा फील्ड स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों को भर्ती सभी प्रसूताओं की सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।

सीजीडी संस्थाएं सितंबर अंत तक 20 हजार नए डीपीएनजी कनेक्शन जारी करें

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने राज्य में कार्यरत सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन संस्थाओं को सितंबर अंत तक 20 हजार नए डोमेस्टिक पाइप्ड नेचुरल गैस (डीपीएनजी) कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने घरेलू उपभोक्ताओं के साथ ही औद्योगिक प्रतिष्ठानों, व्यावसायिक संस्थाओं और कलस्टरों को पाइपलाइन से घरेलू गैस सुविधा से जोड़ने पर खास फोकस करने के निर्देश दिए हैं। सीजीडी संस्थाएं ग्राहकोन्मुखी प्रोत्साहन योजनाएं भी चलाएं। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ ही स्वच्छ, सुरक्षित और हरित

उर्जा को बढ़ावा दिया जा सकेगा।

राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों व नियमित मोनेटरिंग का ही परिणाम है कि सीजीडी संस्थाओं द्वारा गत दो माह में 21 हजार 240 परिवारों को डीपीएनजी सुविधा से जोड़ा गया हैं वहीं दो माह में ही 240 औद्योगिक एवं व्यावसायिक संस्थाओं को प्राकृतिक गैस सेवाएं उपलब्ध कराना शुरु कर दिया है। एसीएस माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा मंगलवार को सचिवालय के मंथन कक्ष में राज्य की सीजीडी संस्थाओं की वर्चुअल बैठक ले रही थी।

उन्होंने कहा कि सीजीडी संस्थाओं के कार्यक्षेत्र में जिन इलाकों में पीएनजी आधारभूत संरचना विकसित हो गई है उन क्षेत्रों में घरेलू, औद्योगिक और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पीएनजी कनेक्शन जारी करने के समन्वित व योजनाबद्ध प्रयास करने होंगे। उन्होंने इसके लिए अवेयरनेस कार्यक्रम चलाने, इलाकों में शिविर लगाने और क्षेत्र की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों से समन्वय बनाते हुए कार्य करने के निर्देश दिए।

जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री टीकाराम जूली ने मोदी सरकार के 'अच्छे दिन' वाले जुमले पर करारा तंज कसते हुए कहा कि 'जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है' राष्ट्रकवि दिनकर की ये पंक्तियां मोदी सरकार की संवेदनहीनता पर पूरी तरह सटीक बैठती हैं। उन्होंने कहा कि जिस अच्छे दिन का ढिंढोरा पूरे देश में पीटा गया था, उसका असली और खौफनाक चेहरा पुलिस के बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज में घायल हुआ युवा अस्पताल में इलाज करवाते हुए देख रहा है। यह भी शर्मनाक है कि मोदी सरकार अपनी इस हरकत पर शर्मिंदा तक नहीं है और कांग्रेस को संसद में इस मुद्दे को उठाने तक नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि देश के युवा को निर्दयतापूर्वक क्यों मारा-पीटा गया इस पर संसद में भी चर्चा न हो, तो कहां बात करें? उन्होंने कहा कि आज देश का युवा सड़कों पर है, लेकिन उसका कसूर सिर्फ इतना है कि वह अपने हक, अपने सुनहरे भविष्य और पारदर्शी परीक्षाओं की मांग कर रहा है।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा की अध्यक्षता में मंत्रिमण्डलीय उपसमिति की बैठक सम्पन्न

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं मंत्रिमण्डलीय उपसमिति के संयोजक डॉ. प्रेमचंद बैरवा की अध्यक्षता में राजकीय महाविद्यालयों एवं चिकित्सा संस्थानों के नामकरण संबंधी प्रस्तावों पर विचार एवं निर्णयार्थ मंत्रिमण्डलीय उपसमिति की बैठक मंगलवार को शासन सचिवालय में आयोजित की गई। बैठक में कार्यसूची में शामिल विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तृत विचार-विमर्श करते हुए निर्णय लिए गए। बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह, विद्यालय शिक्षा मंत्री मदन दिलावर तथा जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी सहित अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं उपसमिति के सदस्य सचिव कुलदीप रांका, प्रमुख शासन सचिव नवीन जैन, प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों एवं चिकित्सा संस्थानों का नामकरण ऐतिहासिक महापुरुषों, स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में किया जाएगा। साथ ही, जिन संस्थानों के लिए दानदाताओं का योगदान रहा है, उनमें 'राजकीय' शब्द के बाद दानदाता का नाम जोड़ा जाएगा। उपसमिति ने चिकित्सा महाविद्यालय, हनुमानगढ़ का नाम परिवर्तित कर 'बलिदानी योद्धा मेजर विकास भाम्भू राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, हनुमानगढ़' करने का निर्णय लिया। चिकित्सा महाविद्यालय, श्रीगंगानगर के लिए 'महाराजा गंगा सिंह राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, श्रीगंगानगर किया गया। इसी प्रकार चिकित्सा महाविद्यालय, पाली का नाम 'महाराणा प्रताप राजकीय मेडिकल कॉलेज, पाली' तथा चिकित्सा महाविद्यालय, अलवर का नाम 'भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी राजकीय मेडिकल कॉलेज, अलवर' किए जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में राजकीय सैटेलाइट चिकित्सालय, कोटड़ा (जिला अजमेर) का नामकरण 'पण्डित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय सैटेलाइट चिकित्सालय, कोटड़ा, जिला अजमेर' करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुरूप संबंधित विभागों द्वारा आगामी आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

संगीत, सम्मान और मनोरंजन के साथ आईडब्लूटीसी सीजन-3 का भव्य समापन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। संगीत, सम्मान और मनोरंजन के भव्य संगम के साथ सोमवार देर रात इंटरनेशनल वेडिंग एंड टूरिज्म कॉन्क्लेव (आईडब्लूटीसी) सीजन-3 का समापन हुआ। आईडब्लूटीसी के डायरेक्टर अरशद हुसैन ने बताया कि पर्यटन मंत्री, आंध्र प्रदेश, कुंडला दुर्गेश; डॉ अजय जैन और ऋतुराज खन्ना ने समारोह में आए 600 से अधिक देश-विदेश के वेडिंग, हॉस्पिटैलिटी, टूरिज्म और इवेंट इंडस्ट्री के उत्कृष्ट योगदान को वेड इन इंडिया अवार्ड से विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया।

इस वर्ष देश और विदेश से मिली अभूतपूर्व भागीदारी ने आईडब्लूटीसी की वैश्विक पहचान को और मजबूत किया है। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक पल रहा बॉलीवुड की प्रसिद्ध सिंगर शिबानी कश्यप की लाइव प्रस्तुति जिसने वहां आये सभी प्रतिभागियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पालतू श्वान-बिल्ली का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य, 30 सितंबर तक कराएं पंजीयन, नहीं तो लगेगा 5,000 जुर्माना : ओम कसेरा

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। जयपुर नगर निगम ने शहर में पालतू श्वान और बिल्ली पालने वाले सभी नागरिकों के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया है। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा ने मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि 30 सितंबर 2026 तक सभी पालतू श्वानों एवं बिल्लियों का नगर निगम में पंजीयन कराना आवश्यक होगा। उन्होंने बताया कि निर्धारित समय सीमा के बाद यदि कोई पालतू श्वान बिना पंजीकरण के पाया जाता है, तो उसके मालिक पर प्रति श्वान 5,000 तक का जुर्माना लगाया जाएगा। आयुक्त ओम कसेरा ने स्पष्ट किया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य किसी प्रकार की सख्ती करना नहीं, बल्कि पालतू पशुओं की सुरक्षा, उनके बेहतर स्वास्थ्य और जयपुर को रेबीज मुक्त शहर बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाना है।

उन्होंने कहा कि रजिस्ट्रेशन के बाद नगर निगम के पास प्रत्येक पालतू पशु के टीकाकरण, स्वास्थ्य और पहचान का रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा। इससे समय पर वैक्सीनेशन सुनिश्चित होगा और पालतू पशुओं के साथ-साथ आम नागरिकों की सुरक्षा भी बेहतर होगी।

नगर निगम ने सभी पालतू पशु पालकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने श्वान एवं बिल्लियों का पंजीकरण कराकर नियमों का पालन करें। नगर निगम के अनुसार, पंजीकरण प्रक्रिया को नागरिकों के लिए सरल और सुविधाजनक बनाया जाएगा। इसके लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आवेदन की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी।

जयपुर नगर निगम की बड़ी कार्रवाई, 19 हजार रुपये कैरिंग चार्ज वसूला, 4 कैंटर सामान जब्त

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। नगर निगम जयपुर ने शहर में अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा के निर्देश पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में सतर्कता शाखा की टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाकर 19 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूला और 4 कैंटर सामान जब्त किया। नगर निगम की टीम ने तारों की कूंट, प्रताप नगर सेक्टर-6 चौराहा, डी-मार्ट चौराहा (जगतपुरा), पटेल मार्ग, वीटी रोड और वरुण पथ (मानसरोवर) सहित कई स्थानों पर अस्थायी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। अभियान के दौरान सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर रखे गए सामान को हटाकर चार कैंटरों में भरकर निगम के गोदाम भेजा गया। साथ ही मौके पर ही अतिक्रमण करने वालों से 19 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि कार्रवाई के दौरान संबंधित लोगों को भविष्य में सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई। उन्हें चेतावनी दी गई कि यदि दोबारा अवैध अतिक्रमण पाया गया तो नगर निगम द्वारा भारी जुर्माना लगाने के साथ प्रभावी कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मिले कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, बोले- जनसेवा की प्रेरणा देती है कर्तव्य की यह भूमि

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ भाजपा भाजपा कार्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने वहाँ पर मौजूद विभिन्न कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से मुलाकात की। उपस्थित महिला कार्यकर्ताओं, ऊर्जावान युवाओं व सम्मानित बुजुर्गों ने कर्नल राज्यवर्धन के प्रति अपनी आत्मीयता प्रकट की। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने भाजपा कार्यालय को कर्तव्य की वह पावन भूमि बताया जो कि उन्हें कर्तव्य निभाने व जनहित में संलग्न रहने की प्रेरणा देती है। इस दौरान कर्नल राठौड़ ने कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को घर-घर तक जाकर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की

जानकारी देने व जनसेवा में समर्पित रहने हेतु उत्साहवर्धन किया। कर्नल राज्यवर्धन ने भाजपा परिवार के सदस्यों द्वारा प्रदत्त प्रेम, स्नेह व अपनत्व का आभार जताया। इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की सबसे बड़ी शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के निरंतर परिश्रम और जनता के बीच सक्रिय उपस्थिति से ही सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना संभव हो पाता है।

उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा और सेवा भावना को प्राथमिकता देते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण, सुशासन और विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। सरकार की विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को लाभ पहुंचाना तथा प्रदेश के समग्र विकास को गति देना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएं। कर्नल राठौड़ ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण और सामाजिक विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि युवा शक्ति किसी भी देश और प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी होती है।

राजस्थान/ प्रादेशिक

अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग की सुरक्षा और सम्मान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता-मुख्यमंत्री भजनलाल

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग को सुरक्षित एवं सम्मानपूर्वक जीवन जीने का वातावरण उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। राज्य सरकार द्वारा गत ढाई वर्षों में उठाए गए कदमों के कारण अनुसूचित जाति और जनजातियों के विरुद्ध अत्याचार के प्रकरणों में उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2023 की तुलना में 2025 में ऐसे प्रकरणों में लगभग 28 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित राज्य स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक में कहा कि एससी-एसटी वर्ग के विरुद्ध अपराध करने वालों पर कठोरता से कार्रवाई की जाए और समाज में समरसता का वातावरण बनाने में सहयोग करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए। वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार के दर्ज प्रकरणों में 15.88 प्रतिशत तथा वर्ष 2025 के पहले 6 माह की तुलना में वर्ष 2026 में 15.49 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2023 में अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों में से 35.16 प्रतिशत का निस्तारण 60 दिन में किया जा रहा था, जो 2025 में बढ़कर लगभग 47 प्रतिशत और जुलाई, 2026 तक 67.88 प्रतिशत हो गया है। वहीं, प्रकरणों के निस्तारण का औसत समय 128 दिन से घटकर 53 दिन रह गया है। एफआर लगे प्रकरणों में अब 10 प्रतिशत के स्थान पर 20 प्रतिशत का रैंडम सत्यापन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि एक तरफ तो एससी-एसटी वर्ग पर अत्याचार के मामलों में कमी आई है, वहीं दूसरी ओर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों के 60 दिवस की निर्धारित अवधि में निस्तारण में भी पहले की तुलना में काफी तेजी आई है। लगभग 68 प्रतिशत प्रकरणों का निस्तारण 60 दिन के भीतर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के 45 पुलिस जिलों में एससी-एसटी सेल स्थापित किए जा चुके हैं एवं शेष 6 पुलिस जिलों में भी एससी-एसटी सेल शीघ्र स्थापित होंगे। उन्होंने अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विरुद्ध होने वाले अपराधों में दोष सिद्धि की दर में और अधिक सुधार के लिए पुलिस और अभियोजन विभाग को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

छह लाख की इंटरलॉकिंग सड़क पर रिकॉर्ड का यू-टर्न, आरटीआई और जांच रिपोर्टों में विरोधाभास

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बयाना। पंचायत समिति बयाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत बरखेड़ा में करीब चार वर्ष पहले छह लाख रुपये की लागत से बनी इंटरलॉकिंग सड़क अब सरकारी रिकॉर्ड में सामने आए विरोधाभासों के कारण विवादों में आ गई है। आरोप है कि सड़क निर्माण की स्वीकृति बरखेड़ा ग्राम पंचायत के लिए जारी हुई, लेकिन निर्माण दूसरी ग्राम पंचायत हतीजर की सीमा तक करा दिया गया। आरटीआई से प्राप्त जानकारी, पंचायत समिति की जांच रिपोर्ट और राजस्व विभाग की सीमाज्ञान रिपोर्ट में अलग-अलग तथ्य सामने आने से पूरे मामले पर सवाल खड़े हो गए हैं। रिकॉर्ड के अनुसार 12 मार्च 2022 को बरखेड़ा ग्राम पंचायत के स्कूल मार्ग पर इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण के लिए करीब छह लाख रुपये की प्रशासनिक, तकनीकी और वित्तीय स्वीकृति जारी की गई थी। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि सड़क का निर्माण वैर उपखंड की ग्राम पंचायत हतीजर क्षेत्र तक कर दिया गया, जबकि जिस खातेदारी भूमि से सड़क निकाली गई, उसके खातेदार से भी विधिवत सहमति नहीं ली गई।

15 साल से बदहाल सड़क बनी ग्रामीणों की मुसीबत, जलभराव से शिक्षक-बच्चे रोज हो रहे परेशान

बयाना। उपखंड क्षेत्र के दर्र बराहना गांव का मुख्य संपर्क मार्ग वर्षों से बदहाल स्थिति में होने के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तरसुमा मोड़ से दर्र बराहना गांव तक करीब दो किलोमीटर लंबी सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढों में बारिश का पानी भर जाने से आवागमन बेहद मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक-शिक्षिकाओं और अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रतिदिन इस रास्ते से गुजरना पड़ता है। बारिश के मौसम में सड़क पर जलभराव होने से शिक्षकों के कपड़े खराब हो जाते हैं, वहीं स्कूली बच्चे फिसलकर गिरने से चोटिल हो रहे हैं। कई बार गिरकर चोटिल होने की घटनाएं भी सामने आई हैं।

न्यायिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों को दिलाया नशा मुक्त जीवन का संकल्प

एजेंसी, थिंक राजस्थान

लालसोट। तालुका विधिक सेवा समिति, लालसोट के तत्वावधान में मंगलवार को "ट्रांसफ़ॉर्मेटिव ट्यूजडे" अभियान के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में "नशों को कहें ना, अपने सपनों को कहें हाँ" विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में न्यायिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए स्वस्थ, सुरक्षित और जिम्मेदार जीवन अपनाने का संदेश दिया। अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश गीता पाठक ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लालसोट, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-01 ऋतु चंदानी ने एवीपी स्कूल, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-02 मधु शर्मा ने बालिका राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट दीक्षिका ब्रह्मभट्ट ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, तालेड़ा जमात में विधिक जागरूकता शिविरों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने और समाज में भी नशा मुक्ति का संदेश फैलाने का आह्वान किया।

27 जुलाई को होने वाले महा-अभियान को लेकर जनसंपर्क तेज

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भीलवाड़ा। देशभर में गौमाता के सम्मान और संरक्षण को लेकर चलाए जा रहे 'गौ सम्मान आवाहन अभियान' के तहत आगामी 27 जुलाई को आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम की तैयारियां जिले में जोरों पर हैं। इसी कड़ी में सोमवार को भीलवाड़ा जिले के विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान क्षेत्र वासियों से 27 जुलाई के कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आवाहन किया गया।

अभियान के तहत जिले के बागोर, करेड़ा, जाटों का निम्बाहेडा ,बीटा, रायपुर, गंगापुर, सहित कई प्रमुख कस्बों और गांवों में सघन जनसंपर्क किया गया। इस दौरान जगह-जगह बैठकें आयोजित कर ग्रामीणों को गौ संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

विशेष जनसंपर्क अभियान में जिला प्रचारक संत परम पूज्य गौ वत्स लाल जी महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ।

अनुराग सेवा संस्थान के 32वें स्थापना दिवस पर 51 बच्चों ने किया डॉ. अंजीव अंजुम की 51 बाल पुस्तकों का विमोचन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। अनुराग सेवा संस्थान लालसोट के 32वें स्थापना दिवस के अवसर पर मथुरा के राया स्थित 'केडी किड्स जोन' में एक अनूठा साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अंजीव अंजुम द्वारा हिन्दी, अंग्रेजी, राजस्थानी और ब्रजभाषा में रचित बाल साहित्य की 51 पुस्तकों का विमोचन 51 छोटे बालक-बालिकाओं के हाथों से करवाया गया। गौरतलब है कि डॉ. अंजुम अब तक 250 से अधिक पुस्तकों का लेखन कर चुके हैं। समारोह के मुख्य अतिथि दूरदर्शन मथुरा के सहायक निदेशक डॉ. सत्यव्रत सिंह ने कहा कि बच्चों के हाथों से पुस्तकों का विमोचन बाल साहित्य और समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केडी पब्लिक स्कूल आयराखेड़ा के निदेशक हुकम सिंह ने संस्थान के 32 वर्षों के सेवा कार्यों की सराहना की। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक प्रभात चौधरी, विनीत अग्रवाल और समन्वयक संतोष ऋचा शर्मा ने अतिथियों का स्वागत व आभार व्यक्त किया। विमोचन करने वाले सभी 51 बच्चों को तिलक लगाकर, माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया और मिठाइयां बांटी गईं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षाविद, साहित्यप्रेमी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि बाल साहित्य बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण, भाषा विकास और नैतिक मूल्यों के संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि बचपन से ही पुस्तक पढ़ने की आदत विकसित होने पर बच्चों में कल्पनाशक्ति, रचनात्मक सोच और अभिव्यक्ति क्षमता का विकास होता है।

नीमराना इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने नए थानाधिकारी सुरेंद्र यादव का किया स्वागत, औद्योगिक क्षेत्र में शांति व कानून व्यवस्था पर हुई चर्चा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

नीमराना (कोटपूतली-बहरोड़)। नीमराना इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (NIA) द्वारा औद्योगिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक रीको (RIICO) के वरिष्ठ क्षेत्रीय महाप्रबंधक राहुल भट्ट की उपस्थिति में औद्योगिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई। बैठक के दौरान नीमराना के नए थानाधिकारी (SHO) सुरेंद्र यादव का एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्ण गोपाल कौशिक के नेतृत्व में पदाधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंटकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने थानाधिकारी के समक्ष औद्योगिक क्षेत्र में शांति व कानून व्यवस्था को मजबूत करने तथा पुलिस व उद्योगपतियों के बीच आपसी सहयोग और सम्मान को बढ़ावा देने का विचार रखा। स्वागत से अभिभूत थानाधिकारी सुरेंद्र यादव ने उद्योगपतियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि पुलिस विभाग क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहाः

"हम नीमराना इंडस्ट्रीज एसोसिएशन और यहाँ की औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत सभी कार्मिकों को विश्वास दिलाते हैं कि औद्योगिक क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस सदैव सजग रहेगी और सभी को एक सुरक्षित व निर्भीक वातावरण प्रदान करेगी।" इस महत्वपूर्ण बैठक में रीको के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक एस.आई. हसन, एसोसिएशन के महासचिव डॉ. विनोद जैन, सह-महासचिव अमित यादव तथा एचआर फोरम के महासचिव लोकेश खंडेलवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बारिश में बदहाल हुआ बयाना रोडवेज बस स्टैंड, कीचड़ और जलभराव से यात्री परेशान

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बयाना। लगातार हो रही बारिश के बीच बयाना रोडवेज बस स्टैंड की बदहाल व्यवस्था एक बार फिर उजागर हो गई है। बस स्टैंड परिसर में जगह-जगह जलभराव और कीचड़ होने से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बसों तक पहुंचने के लिए लोगों को पानी और कीचड़ से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे फिसलकर हादसा होने की आशंका बनी हुई है। यात्रियों का कहना है कि बरसात के मौसम में हर वर्ष बस स्टैंड के हालात ऐसे ही हो जाते हैं, लेकिन अब तक समस्या के स्थायी समाधान के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। परिसर में बने गड्ढों में पानी भर जाने और जमीन उखड़ी होने से बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे और दिव्यांग यात्रियों को सबसे अधिक कठिनाई उठानी पड़ रही है। इसके बावजूद मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी से यात्रियों में नाराजगी है।

NEET परीक्षा में सफलता पर बसई के साहिल सम्मानित : मेघवाल विकास समिति ने किया स्वागत

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बहरोड़। मेघवाल विकास समिति बहरोड़ की ओर से ग्राम बसई में एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम गांव के होनहार युवा साहिल (पुत्र सुरेंद्र) के मेडिकल प्रवेश परीक्षा (NEET) में शानदार सफलता हासिल कर डॉक्टर बनने का सपना पूरा करने के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ। समारोह में ब्लॉक अध्यक्ष संतलाल और उनकी टीम के साथ-साथ ग्राम बसई के वर्तमान सरपंच कृष्ण कुमार मीणा, गांव के गणमान्य नागरिकों तथा महिलाओं ने बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज की। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष संतलाल, मातादीन, गोकुल चंद्र माढ़ैया, ओमप्रकाश, सुभाष चंद्र, रघुवीर, सुभाष जेलर, कमल सिंह, राजेश और प्रकाश सहित अन्य वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए। सभी ने डॉक्टर साहिल के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उम्मीद जताई कि अगले वर्ष भी गांव से कोई न कोई प्रतिभा इसी तरह क्षेत्र का नाम रोशन करेगी और समिति पुनः उनका सम्मान करने पहुंचेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में बसई सरपंच कृष्ण कुमार मीणा ने विशेष भूमिका निभाई। उन्होंने अपने संबोधन में ग्रामीणों से सामाजिक बुराइयों को छोड़ने का आह्वान किया। सरपंच ने मेघवाल विकास समिति के पधारे सभी सदस्यों का साफा पहनाकर और माला अर्पण कर पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इसी कड़ी में सरपंच द्वारा डॉक्टर साहिल के माता-पिता का भी साफा बांधकर सम्मान किया गया, जिसके लिए समिति ने उनका आभार जताया। समारोह में गांव के गणमान्य नागरिकों और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष ओम प्रकाश, परमानंद, ब्रह्म प्रकाश, देशराज, सुरेंद्र, प्रवीण, दिनेश, विनोद, राहुल, नीतू, लाली, अनीता सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में मातादीन गुरुजी ने डॉक्टर साहिल के दीर्घायु होने और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए समारोह के समापन की घोषणा की। डॉ. साहिल ने सम्मान के लिए मेघवाल विकास समिति, ग्रामवासियों और अपने माता-पिता तथा शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

विकसित राजस्थान की दिशा में बड़ा कदम, पीडब्ल्यूसी बैठक में लगभग 219 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को मिली स्वीकृति

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकसित राजस्थान के संकल्प तथा नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में जयपुर शहर के सुनियोजित एवं समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में मंगलवार को जेडीए मुख्यालय स्थित मंथन सभागार में पीडब्ल्यूसी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने, यातायात व्यवस्था में सुधार, जल निकासी, सड़क निर्माण, हरित विकास, पार्क विकास एवं नागरिक सुविधाओं के

विस्तार से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर विचार करते हुए लगभग 219 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में जोन-सी में सवाई माधोपुर रेलवे लाइन से शिप्रा पथ तक करतारपुरा नाले के पुनर्स्थापन एवं निर्माण कार्य के लिए 165.73 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। इसी प्रकार विद्याधर नगर के निकट स्वर्ण जयंती ऑक्सीजन पार्क के विकास के लिए 7.54 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई। साथ ही रामनिवास बाग क्षेत्र (गार्डन-1) में रॉयल हैप्पीनेस पार्क के विकास के लिए 13.25 करोड़ रुपये तथा राजस्थान उत्सव पार्क (वेस्ट-टू-वंडर) के विकास के लिए 24.55 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। ये परियोजनाएं शहर में हरित क्षेत्र के विस्तार, पर्यावरण संरक्षण, पर्यटन को बढ़ावा देने तथा नागरिकों को आधुनिक एवं आकर्षक सार्वजनिक मनोरंजन स्थल उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

बैठक में जोन-10 अंतर्गत ग्राम सायपुरा, गुवाड़ी तथा पालेड़ा मोड़ से बालकृष्णपुरा तक सड़क नवीनीकरण कार्यों के लिए 3.95 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई।

सोलंगपुरा में लगातार बिजली कटौती से गुस्साए लोगों ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

टोंक। जिला मुख्यालय के सोलंगपुरा इलाके में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती से परेशान स्थानीय निवासियों का सब्र आखिरकार टूट गया। आक्रोशित लोगों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर करीब आधे घंटे तक जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासन व विद्युत विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने जिला कलेक्टर टीना डाबी को ज्ञापन सौंपकर बिजली आपूर्ति जल्द सुचारू करने की मांग की। सोलंगपुरा निवासी रुकमणी, शंकर, कुशल सोनी और सुनील सहित अन्य निवासियों ने बताया कि उनके क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से बिजली आपूर्ति की गंभीर समस्या बनी हुई है। बार-बार हो रही कटौती के कारण आम जनता का जीना मुहाल हो गया है। उन्होंने कहा कि बस्ती में अधिकांश परिवार गरीब पृष्ठभूमि से हैं, जिनके पास बिजली का कोई वैकल्पिक साधन (जैसे इन्वर्टर) नहीं है। ऐसे में उमस भरी गर्मी में बिजली जाते ही लोगों का बुरा हाल हो जाता है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि उनके पास स्थित 'मोदी की चौकी' क्षेत्र में बिजली आपूर्ति नियमित रहती है, जबकि केवल सोलंगपुरा बस्ती के साथ ही सौतेला व्यवहार और अनदेखी की जा रही है।

मनोरंजन समाचार

गेम ऑन, स्टाइल ऑन! लॉर्ड्स में भारत-इंग्लैंड मैच के दौरान जाह्नवी कपूर का पावरफुल फैशन स्टेटमेंट

जाह्नवी कपूर ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह हर मौके पर अपने फैशन सेंस से लोगों का दिल जीतना बखूबी जानती हैं। अभिनेत्री हाल ही में लंदन के प्रतिष्ठित लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे टेस्ट मैच का आनंद लेने पहुंचीं, जहां उनका स्टाइलिश अंदाज देखते ही बन रहा था। इस खास मौके पर जाह्नवी ने राल्फ लॉरेन का टेलर्ड ब्लेजर और मैचिंग ट्राउजर पहनकर क्लासिक एलिगेंस और मॉडर्न पावर ड्रेसिंग का शानदार मेल पेश किया। उन्होंने अपने लुक को मिनिमल एक्सेसरीज, सॉफ्ट ग्लैम मेकअप और सिग्नेचर स्लीक हेयरस्टाइल के साथ पूरा किया, जिससे उनके आउटफिट का शार्प सिल्हूट और भी उभरकर सामने आया।

जहां क्रिकेट प्रेमियों की नजरें मैदान पर चल रहे रोमांचक मुकाबले पर टिकी थीं, वहीं स्टैंड्स में मौजूद जाह्नवी कपूर ने अपने बेहतरीन फैशन चॉइस से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उनका यह शानदार लुक लॉर्ड्स के शाही और ऐतिहासिक माहौल के साथ पूरी तरह मेल खा रहा था, जिसे 'होम ऑफ क्रिकेट' भी कहा जाता है। रेड कार्पेट हो या फिर क्रिकेट स्टेडियम, जाह्नवी कपूर हर बार अपने स्टाइल से एक नया फैशन गोल सेट करती हैं। भारत-इंग्लैंड मैच के दौरान उनका यह एलिगेंट और पावरफुल लुक एक बार फिर साबित करता है कि किसी भी मौके पर फैशन के खेल में जीतना उन्हें बखूबी आता है।

महिलाओं का सम्मान उनके कपड़ों से नहीं, उनकी पहचान से होना चाहिए : निधि शेट्टी

टीवी शो 'अनुपमा' में प्रेरणा के किरदार में अपनी अलग पहचान बना रहीं अभिनेत्री निधि शेट्टी इन दिनों शो के मौजूदा ट्रैक को लेकर चर्चा में हैं। निधि का मानना है कि 'अनुपमा' सिर्फ मनोरंजन नहीं करता, बल्कि समाज में मौजूद कई ऐसी सोच पर भी सवाल उठाता है, जिनका सामना आज भी महिलाएं अपने रोजमर्रा के जीवन में करती हैं। निधि शेट्टी ने कहा, "अनुपमा दर्शकों के दिलों तक इसलिए पहुंचता है क्योंकि इसकी कहानी काल्पनिक कम और वास्तविक जीवन के ज्यादा करीब होती है। शो में दिखाई जाने वाली परिस्थितियां वही हैं, जिनका सामना आज भी देश के कई परिवारों में महिलाएं करती हैं। प्रेरणा के किरदार के जरिए ऐसे मुद्दों को सामने लाया जा रहा है, जिन पर समाज में खुलकर बात होना जरूरी है।" उन्होंने आगे कहा, "अगर इस शो को देखने के बाद कुछ लोग भी अपनी सोच बदलने की कोशिश करें या महिलाओं को लेकर बने पुराने नजरिए पर दोबारा विचार करें, तो यह हमारे लिए सबसे बड़ी सफलता होगी।

एक कलाकार के तौर पर ऐसी कहानी का हिस्सा बनना हमेशा खुशी देता है, जो सिर्फ मनोरंजन न करे, बल्कि समाज को सोचने पर भी मजबूर करे।" शो के हालिया एपिसोड में प्रेरणा एक सीन में परिवार के सामने अपनी बात मजबूती से रखती है। इस बारे में बात करते हुए निधि ने कहा, "मैंने इस सीन में गुस्से से ज्यादा प्रेरणा की भावनाओं पर ध्यान दिया। वह अपने कपड़ों के लिए नहीं लड़ रही है, बल्कि इसलिए आवाज उठा रही है, क्योंकि वह बार-बार अपनी निजी पसंद को लेकर जज किए जाने से थक चुकी है। उसे सबसे ज्यादा इस दोहरे मापदंड ने तकलीफ पहुंचाई कि जो बातें एक बेटी के लिए सामान्य मानी जाती हैं, वही बहू के लिए सवाल बन जाती हैं।" निधि ने बताया कि यह स्थिति केवल टीवी की कहानी नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन का भी हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''आज भी कई महिलाएं ऐसे दोहरे मापदंड का सामना करती हैं। किसी महिला का सम्मान इस बात से तय नहीं होना चाहिए कि वह क्या पहनती है या परिवार में उसकी क्या भूमिका है।

क्या जंतर-मंतर पहुंचे नसीरुद्दीन शाह? वायरल वीडियो में निकला बड़ा झोल, दूर-दूर तक CJP प्रोटेस्ट से नहीं कोई नाता

सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें यह दावा किया जा रहा है कि दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में पहुंचे हैं। दावा किया गया कि वे अपने बेटों, इमाद शाह और विवान शाह के साथ इस आंदोलन में चुपचाप शामिल हुए थे। हालांकि जब इस पूरे मामले की पड़ताल की गई तो यह दावा पूरी तरह से झूठा और भ्रामक साबित हुआ। दरअसल नसीरुद्दीन शाह दिल्ली आए ही नहीं, ऐसे में सीजेपी प्रोटेस्ट में शामिल होना और जंतर-मंतर जाना सरासर झूठ है। वायरल हो रही वीडियो क्लिप में नसीरुद्दीन शाह अपने बेटे के साथ एक जगह खड़े नजर आ रहे हैं और लोग उनके पास से गुजर रहे हैं।

राम गोपाल वर्मा की तारीफ पर गदगद हुईं यामी गौतम, कहा- 'सफर ही सबसे बड़ा शिक्षक रहा'

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों 'आर्टिकल 370' से मिले राष्ट्रीय पुरस्कार को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए मनोरंजन जगत में बिताए लंबे सफर को सबसे बड़ा शिक्षक बताया। दरअसल, यामी की इस जीत पर निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए बधाई दी थी, जिस पर यामी ने खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपने सफर को याद करते हुए टेलीविजन की दुनिया को 'सबसे बड़ा टीचर' बताया। अभिनेत्री ने लिखा, "बहुत-बहुत धन्यवाद, सर। आपके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। यह सफर सच में मेरे लिए सबसे बड़ा शिक्षक रहा है और आपके प्रोत्साहन व सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। आगे भी सीखते, आगे बढ़ते और अपने काम के प्रति ईमानदार बने रहने की कोशिश जारी रहेगी।"

अभिनेत्री यामी गौतम ने टेलीविजन इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरुआत कर खुद को हिंदी सिनेमा की सफल अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया। बता दें कि 'आर्टिकल 370' 2024 में रिलीज हुई एक राजनीतिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। यह फिल्म जम्मू-कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे को निरस्त करने और राज्य से आतंकवाद के खात्मे की ऐतिहासिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है।

फिल्म में अभिनेत्री यामी गौतम ने 'जूनी हक्सर' नामक एक खुफिया (इंटेलिजेंस) अधिकारी की भूमिका अदा की थी और प्रियमणि ने पीएमओ सचिव 'राजेश्वरी स्वामीनाथन' की मुख्य भूमिका निभाई थी। इनके अलावा अरुण गोविल (प्रधानमंत्री) और किरण करमाकर (गृह मंत्री) के किरदार में नजर आए थे।

फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत इसका निर्देशन आदित्य सुहास जाम्भले ने किया था। इसकी पटकथा 2016 की कश्मीर अशांति और अनुच्छेद 370 को हटाने के गुप्त मिशन के इर्द-गिर्द घूमती है। सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन के बाद, यह फिल्म जी5 और नेटफ्लिक्स पर भी उपलब्ध है।

फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत सफल रही थी। फिल्म ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 'सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म' का पुरस्कार जीता और यामी गौतम को 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' का पुरस्कार मिला। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने के बाद यामी गौतम को फिल्म जगत, उनके प्रशंसकों और कई कलाकारों की ओर से लगातार बधाइयां मिल रही हैं। सोशल मीडिया पर भी उनके अभिनय की व्यापक सराहना की जा रही है। प्रशंसकों का कहना है कि यामी ने अपने करियर में अलग-अलग विषयों पर आधारित फिल्मों का चयन कर अपनी अभिनय क्षमता को लगातार साबित किया है। यामी गौतम ने अपने फिल्मी सफर में रोमांटिक, सामाजिक, थ्रिलर और महिला प्रधान फिल्मों में विविध भूमिकाएं निभाई हैं। उन्होंने कई अवसरों पर कहा है कि वह ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना पसंद करती हैं, जिनमें मजबूत कथानक और चुनौतीपूर्ण किरदार हों। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने विषय प्रधान फिल्मों की ओर अधिक ध्यान दिया है।

'हार आपको ताकती है', अमिताभ बच्चन के ब्लॉग ने बढ़ाई फैंस की चिंता, अस्पताल, ICU और सर्जरी का बयां किया दर्द

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अक्सर अपने पर्सनल ब्लॉग के जरिए अपने विचार, भावनाएं और जिंदगी के अनुभव फैंस के साथ साझा करते रहते हैं। हाल ही में उनके एक नए ब्लॉग पोस्ट ने फैंस के बीच काफी चिंता पैदा कर दी है। इस पोस्ट में बिग बी ने अस्पताल में भर्ती होने, सर्जरी कराने, आईसीयू में समय बिताने और डिस्चार्ज होने के बाद घर लौटने की चुनौतियों पर खुलकर लिखा है, जिसे पढ़कर उनके प्रशंसक काफी चिंतित हो गए हैं। एक्टर के पोस्ट के बाद फैंस उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करने लगे और ये जानने के लिए उत्सुक हो गए कि आखिर उन्हें हुआ क्या था। सोमवार को अपने ब्लॉग पर लिखते हुए अमिताभ बच्चन ने लिखा कि कुशल डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की देखरेख में अस्पताल, सर्जरी और आईसीयू का सफर रहा, जिसके बाद डिस्चार्ज और फिर घर वापसी हुई। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद आने वाली मुश्किलों के बारे में बात करते हुए उन्होंने आगे लिखा कि अस्पताल से घर लौटने के बाद का समय सबसे कठिन दौर होता है। शारीरिक, मानसिक और व्यावहारिक हर तरह से यह फेज चुनौती भरा होता है। आप खुद को एक चैंपियन मानते हैं, लेकिन अचानक एक दिन हार आपके सामने आ खड़ी होती है। जिंदगी का यह मोड़ इंसान के लिए सबसे मुश्किल साबित होता है। अपनी बात को एक सकारात्मक और दार्शनिक सोच के साथ खत्म करते हुए बिग बी ने लिखा कि कुछ लोग इस परिस्थिति का बहादुरी से सामना करते हैं, तो कुछ हार मान लेते हैं। जो लोग संघर्ष करते हैं और हिम्मत बनाए रखते हैं, वे हमेशा विजेता बने रहते हैं। वहीं जो ऐसा नहीं कर पाते, वे पुरानी यादों के सहारे ही अपनी जिंदगी गुजारते हैं। यह पूरी तरह से हर व्यक्ति का अपना फैसला होता है और इसमें कुछ भी सही या गलत नहीं है। बस सेहतमंद रहें और खुश रहें।

जैसे ही बिग बी का यह पोस्ट सामने आया, उनके चाहने वालों ने कमेंट सेक्शन में अपनी चिंता जतानी शुरू कर दी। एक फैन ने लिखा कि अमित जी, उम्मीद है कि आप अपनी सेहत के बारे में बात नहीं कर रहे हैं और आप अस्पताल या आईसीयू में नहीं थे। आप जिसके बारे में भी बात कर रहे हैं, उनके जल्द ठीक होने की दुआ करते हैं। वहीं एक अन्य यूजर ने पूछा कि अमिताभ जी, आप किसके बारे में बात कर रहे हैं? हमें चिंता हो रही है, कृपया अपना ख्याल रखें। एक और प्रशंसक ने लिखा कि उम्मीद है कि सब कुछ ठीक होगा। आप हमेशा हर बीमारी से जीतकर एक चैंपियन की तरह उभरे हैं और काम करते रहे हैं।

डॉक्टरों की सलाह लें, आप कभी नहीं हारेंगे। खास बात यह है कि इस ब्लॉग पोस्ट से ठीक एक दिन पहले अमिताभ बच्चन ने संडे को अपने जलसा बंगले के बाहर फैंस से मिलने की पुरानी परंपरा निभाई थी और उसकी तस्वीरें भी शेयर की थीं। काम के मोर्चे पर बात करें तो अमिताभ बच्चन जल्द ही नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के दूसरे भाग में नजर आएंगे। इस फिल्म में वे एक बार फिर अश्वत्थामा के दमदार किरदार में दिखेंगे। प्रभास और कमल हासन स्टारर इस फ्रैंचाइजी के पहले भाग ने दुनिया भर में 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी। खबरों के मुताबिक मेकर्स ने साफ किया है कि दीपिका पादुकोण इसके दूसरे पार्ट का हिस्सा नहीं होंगी। हालांकि इस बात की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है कि उन्होंने फिल्म क्यों छोड़ी है।

उर्वशी रौतेला की टॉम हिडलेस्टन से मुलाकात, विंबलडन में जमी बॉलीवुड-हॉलीवुड की जुगलबंदी

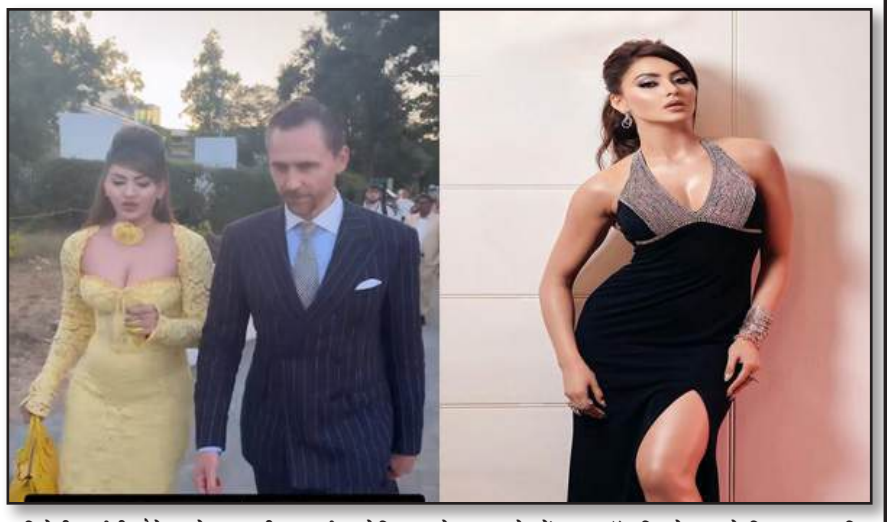

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने हाल ही में 'विंबलडन 2026 मेन्स फाइनल' में हॉलीवुड स्टार टॉम हिडलेस्टन से मुलाकात की। अभिनेत्री ने इस मुलाकात का जिक्र करते हुए बताया कि उन्होंने और हॉलीवुड स्टार ने सिनेमा के बारे में काफी दिलचस्प बातें कीं। अभिनेत्री ने बताया, "'विंबलडन 2026 मेन्स फाइनल' में जाना मेरे लिए एक यादगार अनुभवों में से एक था। इटैलियन टेनिस प्लेयर जैनिक सिनर और जर्मन टेनिस प्लेयर अलेक्जेंडर जेवरेव को सबसे ऊंचे लेवल पर मुकाबला करते देखना सच में प्रेरणा देने वाला था।" अभिनेत्री ने दोनों खिलाड़ियों के बारे में बात करते हुए बताया, "उनके जुनून, अनुशासन और खेल भावना ने सभी को याद दिलाया कि विंबलडन टेनिस का शिखर क्यों बना हुआ है। जैनिक को शानदार जीत और अलेक्जेंडर को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई।"

अभिनेत्री ने बातचीत में जोड़ा कि टॉम हिडलेस्टन से मिलकर यह दिन और भी यादगार बन गया। उन्होंने कहा, "हमने पारंपरिक विंबलडन स्ट्रॉबेरी और क्रीम का मजा लेते हुए सिनेमा के बारे में बहुत अच्छी बातचीत की। मैंने हमेशा उनके काम की तारीफ की है, खासकर 'लोकी' का उनका किरदार और उन्हें कैरेक्टर के विकास, उनके क्रिएटिव प्रोसेस और हर रोल के प्रति उनके डेडिकेशन के बारे में बोलते हुए सुनना बहुत दिलचस्प था।"

MS Dhoni की लाडली जीवा संग मस्ती में लगीं कृति सेनन, भारत-इंग्लैंड मैच के दौरान क्यूट बॉन्डिंग ने लूटी लाइमलाइट

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि मान्यता खुद भी फिल्मों में अपनी किस्मत आजमा चुकी हैं।

उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था और अपनी पहचान बनाने के लिए काफी संघर्ष किया था। हालांकि, उन्हें वह बड़ी सफलता नहीं मिल पाई, जिसकी उन्होंने उम्मीद की थी। मान्यता दत्त का जन्म 22 जुलाई 1978 को मुंबई के एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। उनका असली नाम दिलनवाज शेख है।

उनका बचपन कुछ समय दुबई में बीता। बचपन से ही उनका झुकाव ग्लैमर और फिल्मी दुनिया की तरफ था। यही सपना उन्हें मुंबई लेकर आया, जहां उन्होंने अभिनय के क्षेत्र में करियर बनाने की कोशिश शुरू की। फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बाद मान्यता ने अपना नाम बदलकर सारा खान रख लिया था। शुरुआती दौर में उन्होंने कुछ फिल्मों में छोटे-मोटे रोल किए। उस समय वह बड़ी फिल्मों में जगह बनाने के लिए लगातार कोशिश कर रही थीं। उन्हें फिल्मों में काम तो मिला, लेकिन वह पहचान नहीं मिल पाई जो एक अभिनेत्री के तौर पर वह चाहती थीं।

मान्यता को सबसे ज्यादा पहचान साल 2003 में आई प्रकाश झा की फिल्म 'गंगाजल' से मिली। इस फिल्म में उन्होंने 'अलहड़ मस्त जवानी' गाने पर परफॉर्म किया था, जिसने दर्शकों का ध्यान खींचा।

इसी फिल्म के दौरान उन्हें स्क्रीन नाम 'मान्यता' मिला।

हालांकि, इसके बाद भी उनका फिल्मी सफर ज्यादा आगे नहीं बढ़ सका और उन्हें बड़े प्रोजेक्ट्स में काम करने के मौके कम मिले।

इसके बाद मान्यता ने छोटे बजट की फिल्मों में भी काम किया। उन्होंने 'लवर्स लाइक अस' नाम की फिल्म में भी अभिनय किया था।

यही फिल्म उनकी जिंदगी में एक बड़ा मोड़ लेकर आई, क्योंकि इसी फिल्म के राइट्स खरीदने के सिलसिले में उनकी मुलाकात अभिनेता संजय दत्त से हुई।

धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और दोनों एक-दूसरे के करीब आ गए। संजय दत्त और मान्यता दत्त ने 7 फरवरी 2008 को शादी कर ली।

सार समाचार

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को चौथे बच्चे के जन्म पर मिल रहीं बधाइयां, बाकी 3 बच्चों के बारे में भी जानिए

वाशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी, उषा ने रविवार को अपने चौथे बच्चे का स्वागत किया था और उपराष्ट्रपति ने खुद अपने X हैंडल पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी थी। अब उन्हें दुनियाभर से बधाइयां मिल रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी सोमवार (स्थानीय समय) को जेडी वेंस और उनके परिवार को उनके चौथे बच्चे के जन्म पर बधाई दी और अपने ट्रुथ सोशल हैंडल पर पोस्ट कर बयान दिया। ट्रंप ने जेडी वेंस के बच्चे को परफेक्ट बेबी बॉय बताया। ट्रंप ने कहा, "शानदार वेंस परिवार को परफेक्ट बेबी बॉय के लिए बधाई हो।" अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा की शादी 2014 में हुई थी। इस कपल के कुल 4 बच्चे हैं। उनके 2 बड़े बेटे हैं जिनका नाम इवान (उम्र 9 साल) और विवेक (6 साल) है। उनकी एक बेटी मिराबेल (उम्र 4 साल) है। हालांकि वेंस परिवार, बच्चों को पब्लिसिटी से दूर रखता है, लेकिन वे कभी-कभी सार्वजनिक कार्यक्रमों में दिखते हैं। जेडी वेंस 2025 में जब भारत दौरे पर आए थे, तब वह अपनी पत्नी उषा और तीनों बच्चों को भी साथ लाए थे। इस दौरान उन्होंने आगरा के ताजमहल के सामने पत्नी और तीनों बच्चों के साथ तस्वीरें खिंचवाई थीं। वेंस जब पीएम मोदी से मिले थे, तब भी उनके साथ तीनों बच्चे और उषा मौजूद थीं। पीएम मोदी ने भी वेंस के बच्चों को दुलार किया था। जेडी वेंस जब अपने परिवार के साथ भारत आए थे तो जयपुर स्थित आमेर का किला देखने के लिए भी गए थे। इस दौरान जब हाथियों ने सूंड उठाई थी तो जेडी वेंस के बच्चे अवाक रह गए थे। जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा ने अपने चौथे बच्चे के जन्म के बाद उसका नाम भी रख लिया है। बच्चे का नाम एलेक नील वेंस रखा गया है।

अमेरिकी सांसद की मांग, 'रद्द हो चीनी छात्रों का एफ-1 और जे-1 वीजा'

वाशिंगटन। अमेरिका की रिपब्लिकन सांसद एना पॉलिना लूना ने चीनी छात्रों के वीजा को तत्काल निलंबित या रद्द करने की मांग उठाई है। उन्होंने विदेश मंत्री मार्को रूबियो को पत्र लिखकर देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ रहे चीनी नागरिकों के सभी एफ-1 और जे-1 छात्र वीजा तत्काल निलंबित और रद्द करने की मांग की है। उन्होंने हाल ही में सार्वजनिक किए गए खुफिया दस्तावेजों का हवाला देते हुए दावा किया कि इनमें चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) द्वारा अमेरिकी चुनावों में हस्तक्षेप के प्रयासों का उल्लेख है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर अमेरिका के चुनावों को प्रभावित करने के लिए व्यापक अभियान चलाने का आरोप लगाया था।

न्यूयॉर्क पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिए जाएंगे नेतन्याहू? ममदानी के बयान पर ट्रंप ने किया पलटवार

वॉशिंगटन/न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को साफ कहा कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को अमेरिकी धरती पर किसी भी हाल में गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। ट्रंप का यह बयान न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि नेतन्याहू न्यूयॉर्क आते हैं तो उनकी गिरफ्तारी के कानूनी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। ममदानी ने 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' से बातचीत में नेतन्याहू को 'युद्ध अपराधी' बताया और कहा कि 'उनकी जगह हेग में है।' ममदानी ने कहा कि उनका प्रशासन न्यूयॉर्क सिटी के लॉ डिपार्टमेंट के साथ लगातार बातचीत कर रहा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यदि नेतन्याहू शहर में आते हैं तो स्थानीय प्रशासन के पास कानूनी रूप से क्या अधिकार हैं। उन्होंने कहा, 'न्यूयॉर्क शहर में कानून मुझे जितनी अनुमति देगा, हम उतनी ही कार्रवाई करेंगे।'

ममदानी ने यह भी साफ किया कि उनका दफ्तर नेतन्याहू की गिरफ्तारी के लिए कोई नया स्थानीय कानून बनाने की कोशिश नहीं कर रहा है। ममदानी के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप ने कहा कि बेंजामिन नेतन्याहू को अमेरिका में किसी भी तरह, किसी भी रूप में गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'नेतन्याहू ईरान के इस्लामी गणराज्य के खिलाफ लड़ रहे हैं। हाल ही में ईरान ने 52,000 बेगुनाह प्रदर्शनकारियों की हत्या की है और पिछले सालों से अमेरिकी सैनिकों तथा अन्य लोगों की जान लेता रहा है। गिरफ्तार किया जाना चाहिए तो उन लोगों को, जिन्होंने ईरान को मौत और तबाही के इस अभूतपूर्व दौर में धकेला।'

ईरान के साथ जंग में पिछले दो हफ्तों में 100 अमेरिकी सैनिक घायल, होर्मुज में जहाजों पर हमले तेज

वाशिंगटन/तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच अभी सीधा सैन्य टकराव बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है। अगर अब भी संयम नहीं बरता गया तो हालात और बिगड़ सकते हैं। पिछले दो हफ्तों में इस सैन्य टकराव में करीब 100 अमेरिकी सैनिक घायल हुए हैं। वहीं हर सैनिक के घायल होने पर ट्रंप का गुस्सा भी बढ़ता जा रहा है वो लगातार ईरान को सबक सिखाने की धमकी दे रहे हैं। वहीं पेंटागन (अमेरिकी रक्षा मंत्रालय) ने आधिकारिक पुष्टि की है कि पिछले दो हफ्तों (7 जुलाई के बाद) में ईरान के साथ जारी भीषण हमलों और जवाबी कार्रवाई में लगभग 100 अमेरिकी सैनिक घायल हुए हैं। इनमें से अधिकांश जवानों को हमलों के दौरान सिर में चोट आई है।

ईरान और अमेरिका का संघर्ष जैसे-जैसे बढ़ रहा है मध्य पूर्व के कई अन्य देश भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। अमेरिकी सेना ने सोमवार देर रात से मंगलवार तड़के तक ईरान पर 10वें दौर की एयरस्ट्राइक पूरी की। पेंटागन के मुताबिक इन हमलों में ईरान के सैन्य कमांड सेंटरों और नौसैनिक क्षमताओं को निशाना बनाया गया है।

उधर, ईरानी स्टेट मीडिया ने देश के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित बंदर अब्बास, केश्म और होर्मोजगान प्रांत के बेमानी जिले में कई जोरदार धमाकों की पुष्टि की है।

ईरान के राष्ट्रपति ने माना है कि देश इस वक्त एक फुल स्केल वॉरमें उलझा हुआ है, जिसका असर उसकी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। वहीं, स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में व्यावसायिक जहाजों पर हमले काफी बढ़ गए हैं।

ब्रिटिश मैरीटाइम अथॉरिटी के मुताबिक ओमान के तट के पास एक ऑयल टैंकर हमले की चपेट में आ गया, जिसके बाद क्रू मेंबर्स को जान बचाने के लिए लाइफबोट का सहारा लेना पड़ा।

इसके अलावा दो अन्य जहाजों पर भी हमले की खबर है। इस डर की वजर से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले दैनिक जहाजों की आवाजाही लगभग ठप हो गई है। जहाजों के लाइव डेटा के मुताबिक सोमवार को इस बेहद अहम समुद्री रास्ते से सिर्फ 9 व्यापारिक जहाज गुजरे।

ट्रंप से मुलाकात करेंगे लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन, इजरायल से तनाव के बीच होगी बातचीत

लेबनान के राष्ट्रपति मंगलवार को वॉशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलेंगे। यह उनकी चार दिन की यात्रा का आखिरी हिस्सा होगा। इस यात्रा का मकसद इजरायल और ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह मिलिटेंट ग्रुप के बीच महीनों तक चली लड़ाई के बाद, युद्ध से जूझ रहे लेबनान में लंबे समय तक शांति बनाए रखना है। जोसेफ आउन की ट्रंप के साथ यह अहम बैठक ऐसे समय में हो रही है जब लेबनान और इजरायल के बीच वॉशिंगटन की मध्यस्थता में सीधी बातचीत चल रही है। लेबनान को उम्मीद है कि इस बातचीत के नतीजे में इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान के उन बड़े इलाकों से हट जाएगी जिन पर अभी उसका कब्जा है। साथ ही, लेबनानी सेना को उन इलाकों में पूरा कंट्रोल हासिल करने में मदद मिलेगी जहां पहले हिज्बुल्लाह मिलिटेंट्स का दबदबा था। लेबनान और इजरायल ने 26 जून को एक "फ्रेमवर्क एग्रीमेंट" (रूपरेखा समझौता) की घोषणा की थी।

इसमें इजरायली सेना के दक्षिणी लेबनान से हटने और हिज्बुल्लाह के हथियार छोड़ने की योजना बनाई गई है, जिसका दशकों से उस इलाके में मजबूत प्रभाव रहा है। इसमें दोनों देशों के बीच भविष्य में शांति समझौते की दिशा में उठाए जाने वाले कदमों का भी जिक्र है।

इन दोनों देशों के बीच कभी औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं रहे हैं और इजरायल की स्थापना के बाद से लगभग 80 वर्षों से वे नाममात्र के लिए युद्ध की स्थिति में रहे हैं।

बता दें कि इससे पहले अमेरिका की मध्यस्थता में रोम में 2 दिन तक चली बातचीत के बाद, इजरायल और लेबनान ने साउथ लेबनान में 'पायलट जोन' लागू करने की तरफ बड़ा कदम उठाया।

'जल प्रलय' से पाकिस्तान में हाहाकार, 12 लोगों की मौत, 18 घायल; पानी में ढह गए कई मकान

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में बारिश और बाढ़ से 12 लोगों की मौत का मामला सामने आया है। अलग-अलग घटनाओं में 18 लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। फिलहाल मौसम विभाग की तरफ से और अधिक बारिश होने का अनुमान जताया गया है। इसके अलावा मौसम विभाग ने स्थानीय लोगों को सावधानी बरतने और घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी है। बता दें कि अलग-अलग घटनाओं में 14 मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा में अचानक भारी बारिश और बाढ़ की वजह से हालात बेकाबू हो गए। इस दौरान अलग-अलग घटनाओं में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 18 लोग घायल हो गए। मरने वालों में पांच बच्चे भी शामिल हैं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (PDMA) की रिपोर्ट के अनुसार, ये मौतें घरों की छतें और दीवारें गिरने तथा लोगों के अचानक आई बाढ़ में बह जाने के कारण हुईं। मरने वालों में 6 पुरुष, 5 बच्चे और 1 महिला शामिल हैं। वहीं घायलों में 8 पुरुष, 2 महिलाएं और 8 बच्चे शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक ये घटनाएं पेशावर, खैबर, मरदान, बुनेर, बाजौर, लोअर चित्राल, एबटाबाद, मानसेहरा, तोरघर और कुर्रम जिलों से सामने आईं। PDMA के अनुसार, भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण कुल 14 घर क्षतिग्रस्त हुए। इनमें से एक घर पूरी तरह नष्ट हो गया, जबकि बाकी को आंशिक नुकसान पहुंचा। PDMA, रेस्क्यू 1122, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित विभाग राहत और बचाव कार्यों में जुटे हुए थे। PDMA के महानिदेशक ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि प्रभावित परिवारों को तुरंत राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाए। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रांत की सभी प्रमुख नदियों, नालों और जलमार्गों में जल स्तर और बहाव सामान्य सीमा के भीतर रहा। हालांकि, पाकिस्तान मौसम विभाग ने 25 जुलाई तक पूरे प्रांत में रुक-रुक कर भारी बारिश का अनुमान जताया है। PDMA ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने, जोखिम वाली पर्यटन जगहों से दूर रहने और नदियों, नालों व बाढ़ वाले रास्तों पर जाने से बचने की अपील की। नागरिकों को मौसम संबंधी आधिकारिक अलर्ट और सुरक्षा सलाह का पालन करने की भी सलाह दी गई। प्राधिकरण ने कहा कि सभी जिला प्रशासनों को पहले ही हाई अलर्ट पर रखा गया है। प्रशासन ने बताया कि प्रभावित जिलों में राहत एवं बचाव कार्यों को तेज कर दिया गया है। बचाव दल लगातार प्रभावित इलाकों में पहुंचकर फंसे हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने, घायलों को अस्पतालों तक पहुंचाने और क्षतिग्रस्त क्षेत्रों का आकलन करने में जुटे हैं।

अफगानिस्तान में अचानक आई बाढ़ में 20 की मौत, 100 से ज्यादा लोग लापता; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

अफगानिस्तान में अचानक आई बाढ़ से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 100 से ज्यादा लोग लापता हैं। अफगानिस्तान नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के प्रवक्ता यूसुफ हम्माद ने बताया कि बाढ़ पूर्वी प्रांत नूरिस्तान में आई और लापता लोगों का पता लगाने के लिए खोज और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, "हम सभी नागरिकों से अपील करते हैं कि वे बाढ़ की आशंका वाले और जोखिम भरे इलाकों से दूर रहें।" हम्माद ने कहा, "दुर्भाग्य से, आज पारुन शहर और नूरिस्तान प्रांत के कई अन्य इलाकों में आई भीषण बाढ़ के कारण हमारे साथी नागरिकों की जान-माल का भारी नुकसान हुआ है।" उन्होंने आगे कहा कि बाढ़ से लोगों के घरों, कृषि भूमि और सार्वजनिक सुविधाओं को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है। अफगानिस्तान में मौसम की चरम घटनाओं का खतरा बहुत ज्यादा रहता है। बर्फ़बारी और भारी बारिश से अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) का खतरा लगातार बना रहता है। अक्सर ऐसे मामलों में एक ही बार में दर्जनों या सैकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। साल 2024 में, वसंत ऋतु में आई अचानक बाढ़ में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। वहीं इस साल की शुरुआत में भी देश के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण कम से कम 110 लोगों की मौत हो गई थी। कई दशकों से चल रहे संघर्ष, खराब इंफ्रास्ट्रक्चर, कमजोर अर्थव्यवस्था, पेड़ों की कटाई और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते असर ने ऐसी आपदाओं के प्रभाव को और बढ़ा दिया है। खासकर दूर-दराज के इलाकों में, जहां कई घर मिट्टी के बने होते हैं और अचानक आई बाढ़ या भारी बर्फबारी से बहुत कम सुरक्षा दे पाते हैं। सरकारी प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा, "हमें यह जानकर दुख हुआ कि नूरिस्तान प्रांत में बाढ़ के कारण जान-माल का नुकसान हुआ है। हम इस घटना में जान गंवाने वालों के लिए प्रार्थना करते हैं और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करते हैं।" मंत्रालय ने लोगों को नदियों के किनारे और बाढ़ के खतरे वाले इलाकों से दूर रहने की चेतावनी दी है।

अमेरिका ने ईरान पर फिर किए भीषण हमले, ईरान बोला- 'अगर खार्ग में घुसना चाहते हैं तो हम खातिरदारी के लिए बेताब'

अमेरिका और ईरान के बीच जंग लगातार तेज होती जा रही है। आज जंग का 10वां दिन है और दोनों ओर से लगातार अटैक किए जा रहे हैं। US सेंट्रल कमांड का कहना है कि सेना ने ईरान के नए सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। हमलों का मकसद ईरान की उन सैन्य क्षमताओं को और कमजोर करना है जिनका इस्तेमाल वो स्ट्रेट होर्मुज में कमर्शियल जहाजों पर हमले के लिए करता है। वहीं, बीती रात जॉर्डन की राजधानी अम्मान तेज सायरन की आवाज से गूंज उठी क्योंकि ईरान ने एक बार फिर मिसाइल अटैक लॉन्च किया। जॉर्डन ने बताया कि ईरान ने एक और मिसाइल हमला किया है। दूसरी ओर अमेरिका ने ईरान पर जबरदस्त बमबारी की है। अमेरिकी सेना के निशाने पर ईरान के तबरीज सिटी का इलाका रहा जहां IRGC का मिसाइल बेस और मिसाइल फील्ड है। अमेरिकी विमानों ने इसी मिसाइल फील्ड पर भीषण बमबारी की है। अमेरिका का दावा है कि हमलों में होर्मुज के पास सिरीक और जास्क आईलैंड में ईरान के वॉच टावर्स को ध्वस्त कर दिया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान के हमलों में अमेरिका के तीन सैनिक शहीद हुए हैं। अब अमेरिका ईरान को छोड़ेगा नहीं। आज रात ईरान पर और घातक हमले किए और ये हमने ईरान के हमले में मारे गए हमारे तीन सैनिकों के सम्मान के लिए किया। ट्रंप, ईरान को छोड़ने को मूड में नहीं है तो ईरान भी दावा कर रहा है कि उसे हल्के में लेने की भूल अमेरिका ना करे। ईरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि अमेरिका खार्ग में घुसने का सपना देख रहा है और हमारे लोग उनकी खातिरदारी के लिए बेताब हैं।

ओमान के तट के पास स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाज में लगी आग, 9वीं रात भी ईरान पर भीषण हमले

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ओमान के तट के पास सोमवार तड़के एक वाणिज्यिक जहाज में भीषण आग लग गई। ब्रिटिश सेना के यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (UKMTO) केंद्र ने इस घटना की पुष्टि करते हुए चेतावनी जारी की है। हालांकि, आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है और दोनों देश पूर्ण युद्ध के मुहाने पर खड़े नजर आ रहे हैं। पिछले महीने हुआ अंतरिम शांति समझौता पूरी तरह टूट चुका है, जिसके कारण इस महत्वपूर्ण वैश्विक व्यापारिक मार्ग स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज पर जहाजों की आवाजाही लगभग ठप हो गई है। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने सोमवार तड़के ईरान पर लगातार नौवें दिन हवाई हमले किए। अमेरिका ने शनिवार को इराक में एक मार गिराए गए ईरानी ड्रोन को नष्ट करने के दौरान अपने एक और सैनिक की मौत की पुष्टि के बाद यह कार्रवाई की है। 28 फरवरी से शुरू हुए इस युद्ध में अब तक 17 अमेरिकी सैनिक मारे जा चुके हैं। सेंट्रल कमांड ने बयान में कहा, "यह हमले ईरान की उन सैन्य क्षमताओं को नष्ट करने के लिए जारी रहेंगे, जिनका इस्तेमाल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले नागरिक और वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों के लिए किया जाता है।" ईरान की परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने दावा किया है कि अमेरिकी हमलों ने देश के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में स्थित एक निर्माणाधीन परमाणु ऊर्जा संयंत्र, 'दारखोविन' परमाणु साइट को निशाना बनाया है। उपग्रह से मिली तस्वीरों के अनुसार, इस साइट पर अभी शुरुआती काम ही चल रहा था।

जेडी और उषा वेंस के घर बेटे का जन्म, अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने बना दिया अनोखा रिकॉर्ड

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस के घर बेटे का जन्म हुआ है। दंपति ने चौथी बार बच्चे को जन्म दिया है। बेटे के दुनिया में आने के साथ ही जेडी वेंस ने एक और अनोखा रिकॉर्ड बना दिया है। दरअसल, 150 साल से ज्यादा समय में पहली बार ऐसा हुआ है कि पद पर रहते हुए किसी अमेरिकी उपराष्ट्रपति के घर बच्चे का जन्म हुआ है। आइए जानते हैं कि इस मौके पर दंपति ने क्या जानकारी दी है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोशल मीडिया पर पत्नी उषा वेंस के साथ संयुक्त बयान जारी किया है और अपने बेटे के जन्म के बारे में लोगों से जानकारी शेयर की है। संयुक्त बयान में कहा गया है कि ''हमें यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि हमारे घर एक बेटे का जन्म हुआ है, जिसका नाम एलेक नील वेंस रखा गया है। उषा और नवजात दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं और हमारे तीनों बच्चे अपने छोटे भाई के स्वागत को लेकर बेहद उत्साहित हैं।'' जेडी वेंस ने आगे कहा- "वॉल्टर रीड मेडिकल सेंटर और व्हाइट हाउस मेडिकल यूनिट के बेहतरीन मिलिट्री डॉक्टर और स्टाफ सदस्य हमारे लिए किसी वरदान से कम नहीं रहे हैं। उन्होंने हमारे परिवार के लिए जो कुछ भी किया है, उसके लिए हम उनके बहुत आभारी हैं।" जानकारी के अनुसार, व्हाइट हाउस की मेडिकल टीम का भी उनकी देखभाल और सहयोग कर रही थी जिसके लिए दंपति ने आभार जताया है। आपको बता दें कि जेडी वेंस की पत्नी उषा (उम्र 40 वर्ष) भारतीय मूल की हैं। उनका परिवार आंध्र प्रदेश से ताल्लुक रखता है।

SPORTS NEWS

Special Olympics Bharat wins bronze in Gothia Cup, coach calls for more practice matches for improvement

The Special Olympics Bharat football team was felicitated in New Delhi on Monday, July 20, following their bronze medal victory at the Gothia Cup 2026 in Sweden. Notably, India secured a third-place finish in the tournament after defeating Finland 2–1 in the bronze medal playoff, capping off a challenging campaign marked by rapid adaptations to unfamiliar playing conditions and tough international competition.

The tournament began with two division matches to determine group placements. India opened with a 1-1 draw against France before suffering a 2-0 defeat to Germany. The results placed the squad into Group 2 for the main competition stage. In the group stage, India endured a tough start, falling 6-0 to Turkmenistan in their opening fixture. However, the team responded quickly with a 2-0 victory over Estonia before concluding the group stage with a 3-1 loss to Finland.

All you need to know about The Hundred 2026; Check Men's squads, schedule, and live streaming details

The stage is set for yet another edition of The Hundred 2026. The men's tournament will kick off on July 21st, and the season opener will see MI London taking on Sunrisers Leeds. The two sides will meet at The Oval in London, and both sides will look to put in their best performance in the clash.

It is worth noting that the previous edition of the competition was won by Oval Invincibles (now MI London) as they defeated Trent Rockets in the final of the tournament, and the defending champions will hope to kick off their title defence with a good showing against Leeds. The competition kicks off on July 21. The eight teams will look to put in their best effort as the season begins. The final of the event will be held on August 16, and it could be interesting to see which side comes out on top.

Birmingham Phoenix Men's squad: Jacob Bethell (c), Rehan Ahmed, Joe Clarke, Scott Currie, Laurie Evans, Donovan Ferreira, Saqib Mahmood, Matthew Montgomery, Mitch Owen, Mustafizur Rahman, Will Smeed, Usman Tariq, Jordan Thompson, Chris Wood, Sean Dickson, Tom Helm

Aminul Haque holds out hope for India-Bangladesh series, highlights importance of sports diplomacy

The Indian team has been long scheduled to tour Bangladesh, but due to several factors, the series has not conducted so far due to various factors. At the start of the year, the BCB (Bangladesh Cricket Board) had come forward and announced that they would be hosting India across three ODIs and three T20Is in August-September 2026. The decision was announced after the tour, which was originally slated to be held in 2025, was postponed due to the political tensions between the two sides. India and Bangladesh have had a strained relationship in recent times; the same also saw Bangladesh opt out of the T20 World Cup 2026 in India, citing security concerns. However, the BCB put up media rights for the India-Bangladesh series on sale earlier this month, which is one of the biggest signs that the tour could finally be conducted. Speaking on the same, Bangladesh's state minister for youth and sports, Aminul Haque, came forward and talked about the potential smooth conduct of the series. "After arriving, I think that we will overcome the tension that was there (between the two countries) over a small incident in the past and hopefully our sports diplomacy, our communication, our movement, everything will continue with our neighbouring country," he added. After months of controversy and developments, the conduct of the series looks more and more likely.

'I didn't believe him': Sanju Samson opens up on Rohit Sharma's advice, competition with Ishan Kishan

Star India batter Sanju Samson has had a roller coaster of a career. At the age of 31, Samson has experienced almost everything there is to experience. From squad snubs to IPL heroics, and capping it all off with some exceptional performances in the T20 World Cup 2026. Despite not being a part of India's playing XI for a major part of the tournament, Samson was a sporadic part of India's playing XI in the early stages of the competition but performed brilliantly in the last three games, becoming one of the biggest reasons for India's title win. Speaking on the same, Samson talked about his conversation with former India skipper Rohit Sharma and revealed how he told him that he would get a chance later in the tournament. "To be honest, I didn't believe him at that time. Sorry. He might have spoken from his heart or from his experience, but that day I wasn't able to see what he was seeing," Samson said. "I went through that phase for four or five days before getting myself back on track. You know you've failed, so what's next? You're at the bottom, so from there, you can only go up. I started working on myself mentally. I started asking myself questions: why do I play cricket? What's my purpose?" Samson told JioHotstar. Samson didn't hide from what came next. As his form dipped, Ishan Kishan's stock rose fast, and Samson knew exactly what that meant for his own place in the side. "I could clearly see that Ishan was moving above me in the pecking order. You get five matches and score 24, 6, 6, 10 and 0, then another guy comes in, scores 70-odd straightaway, gets a hundred later in the series, and the next match is directly in the T20 World Cup. Anyone would prefer an in-form batter," he said. "It was clear that the World Cup was done for me. Whatever had to happen had happened, and the only thing I could do was sit quietly and clap," he said. He also credited his wife for a mindset shift during that stretch. "I realised I was overdoing it, and my wife was right, being happy and mentally in a good space is much more important than putting in hours and hours of practice. The New Zealand series taught me that," he concluded. Although Samson spent much of the tournament on the sidelines, he made the most of his opportunities whenever called upon. Accepting the reality of the situation proved to be one of the toughest moments of his career.

Former India cricketer gives his take on Shubman Gill's fitness after ODI series loss against England

India's ODI series against England ended with the team suffering another defeat; the Men in Blue sustained losses in the second and third ODIs, losing the series. After the losses, India skipper Shubman Gill came forward and pointed out the fitness concerns in the side. However, it is worth noting that Gill himself was captured struggling with cramps throughout the series. In India's chase of the 388-run target, Shubman Gill alone made 77 runs off 84 balls, including 10 fours and a six. In the midst of his batting spree during the 22nd over, Gill was seen looking uncomfortable. He had got down to stretch his legs. This was not the star's only incident of feeling unwell. In the first ODI of the series, Gill had to retire injured after he was hit with muscle cramps, making 80 runs off his bat. Reflecting upon these moments, former India cricketer Irfan Pathan urged the importance of fitness and highlighted how fitness impacts the momentum of the game. At the same time, Irfan Pathan praised batter Rohit Sharma for his performance in the third ODI. Sharma's first two matches in the series were below the expectations the fans had from him.

Ruturaj Gaikwad named captain as West Zone announce squad for Duleep Trophy

The Duleep Trophy is all set to kick off on August 23, and ahead of the new season, the teams have started to reveal their squads for the event. West Zone joined the bandwagon as they named their squad for the upcoming Duleep Trophy season. In a major development, star India batter Ruturaj Gaikwad has been named skipper of the West Zone for the tournament. It is worth noting that Shams Mulani has been named Gaikwad's deputy in the squad, with the likes of Prithvi Shaw, Shivalik Sharma, Musheer and Sarfaraz Khan being a part of the squad as well. Harvik Desai and Urvil Patel have been picked as the two wicket-keepers in the side. The batting unit has a unique blend of youth and experience, and West Zone will look to put in their best performance in the upcoming tournament.

R Ashwin brands Rohit and Kohli as 'untouchable', reflects on their future in ODI cricket

The three-game ODI series between India and England ended in a disappointing defeat for the Indian team. The Men in Blue, after winning the first ODI of the series, succumbed to hefty losses in the second and third ODIs, effectively losing the series in the process as well.

There were many talking points from the series as India lost the three-game affair, with the biggest one being the presence and performances of Virat Kohli and Rohit Sharma. The two are in the twilight of their careers, but despite nearing the end, their class has remained. While Virat Kohli scored 74 runs in 60 deliveries in the third ODI, Rohit Sharma went on to score 138 runs to his name as well. Speaking on the same, former India cricketer Ravichandran Ashwin took centre stage and branded both Rohit and Kohli as untouchable in the side. "They cannot touch Virat and Rohit if they want to play.

It is because of their credentials. Rohit has scored almost 12,000 runs; they cannot touch him. The other thing is that they are batters, and if you touch them, they have an army. People come to see them. If you drop them, it will just break the roof down," Ashwin said in a video on his YouTube channel. Furthermore, Ashwin heaped massive praise on Rohit Sharma for his century in the third ODI. The veteran batter hit his 51st international century but was unable to take India over the finish line. "This is a phenomenal knock. He was set after hitting that pull to Josh Tongue. I feel that this is Rohit's road to a comeback after an injury. If he were in a slightly better state or were more confident, he could have scored 180 and won the match for the team. I felt like Rohit was in really good form," Ashwin said.

Katherine Sciver-Brunt named Trent Rockets' assistant coach ahead of The Hundred 2026

In a major development, The Hundred franchise, Trent Rockets Women, has come forward and named former England cricketer Katherine Sciver-Brunt as their new assistant coach ahead of the upcoming edition of The Hundred Women's 2026. It is worth noting that the tournament is all set to kick off on July 21st, and the eight teams will look to put in their best showing. Furthermore, with the recruitment of Sciver-Brunt, Katherine will be working alongside her wife, Nat. Ever since retiring from cricket in 2023, this will be Katherine Sciver-Brunt's first assignment.

The 41-year-old is one of the greatest women's cricketers in the history of England cricket, awarded an OBE for her services. Katherine Sciver-Brunt remains England women's second-highest wicket-taker across formats with 335 wickets to her name. She will be working alongside head coach Chris Read and fielding coach Graeme White.

Notably, Rockets were unable to make it to the knockout stages of the tournament in 2025, finishing in fourth place in the standings, and it could be interesting to see how they fare in the upcoming season. Speaking of the side's schedule, Trent Rockets Women will kick off their campaign by taking on Birmingham Phoenix Women.

Calcutta High Court orders arrest of wicket-keeper batter Abishek Porel over rape case

In a major development, the Calcutta High Court has come forward and ordered the immediate arrest of India wicket-keeper batter Abhishek Porel over a rape case. As part of the same ongoing case, the court has also directed the police to seize all the electronic devices of the batter to protect the complainant's privacy. It is worth noting that the case came after Porel, who represents Delhi Capitals in the IPL, was accused of engaging a woman in a sexual relationship under the false promise of marriage, even subjecting her to assault and criminal intimidation in June 2026. Allegedly, Porel had also been threatening the victim to release her intimate photos and videos. The complaint was filed at Magra Police Station in Hooghly district; however, it is interesting to note that Porel denied the allegations.

तनाव दिमाग पर कैसे हावी हो रहा है, लंबे समय तक स्ट्रेस में रहने से क्या असर होता है?

तनाव शरीर का सबसे बड़ा दुश्मन बनता जा रहा है। भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव (Stress) लगभग हर व्यक्ति के जीवन का हिस्सा बन चुका है। नौकरी का दबाव, आर्थिक चुनौतियां, पारिवारिक जिम्मेदारियां, रिश्तों में तनाव, सोशल मीडिया का प्रभाव और फ्यूचर की चिंताएं लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल रहे हैं। यदि तनाव लंबे समय तक बना रहे, तो यह केवल मन ही नहीं बल्कि दिमाग की कार्यप्रणाली को भी प्रभावित करने लगता है। सीनियर मनोचिकित्सक डॉक्टर गौरव गुप्ता (तुलसी हेल्थकेयर, गुरुग्राम) से जानते हैं तनाव का दिमाग पर क्या असर होता है?

तनाव के समय शरीर में कॉर्टिसोल, जो एक स्ट्रेस हार्मोन होता है और एड्रेनालिन जैसे हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है। थोड़े समय के लिए यह शरीर को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने में मदद करता है, लेकिन जब तनाव लगातार बना रहता है, तो यही हार्मोन दिमाग की कार्यक्षमता पर नकारात्मक प्रभाव डालने लगते हैं। इससे सोचने-समझने, निर्णय लेने, याददाश्त और भावनाओं को नियंत्रित करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। लगातार तनाव का सबसे बड़ा प्रभाव याददाश्त और एकाग्रता पर पड़ता है। व्यक्ति छोटी-छोटी बातें भूलने लगता है, किसी काम पर लंबे समय तक ध्यान केंद्रित नहीं कर पाता और निर्णय लेने में कठिनाई महसूस करता है।

कई लोग इसे सामान्य थकान समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि यह लंबे समय तक बने तनाव का संकेत हो सकता है। अनियंत्रित तनाव चिंता (Anxiety), अवसाद (Depression), पैनिक अटैक और नींद से जुड़ी समस्याओं का कारण बन सकता है। लगातार तनाव में रहने वाले लोगों में चिड़चिड़ापन, गुस्सा, निराशा और सामाजिक दूरी बढ़ने लगती है।

बारिश के पानी से पैरों में हो रही है खुजली और फंगल इंफेक्शन, तो अपनाकर देखें ये आसान उपाय

बारिश का मौसम हर किसी को सुहावना लगता है। एक तरफ जहां बारिश से गर्मी से राहत मिलती है तो वहीं दूसरी तरफ ये अपने साथ इंफेक्शन लेकर भी आता है। मानसून में जगह-जगह भरे गंदे पानी में भीगने से पैरों में खुजली, रेडनेस, और फंगल इंफेक्शन की समस्या होना बहुत आम है। पैरों में नमी और पसीने के कारण बैक्टीरिया और फंगस तेजी से पनपने लगते हैं। इस समस्या से कई लोग परेशान रहते हैं। अगर आप भी बारिश के पानी की वजह से पैरों की खुजली और इंफेक्शन से परेशान हैं, तो दवाइयों के साथ-साथ कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर इस समस्या से आप राहत पा सकते हैं। घर लौटते ही सबसे पहले अपने पैरों को साफ पानी से धोएं। इसके बाद एक टब में गुनगुना पानी लें और उसमें थोड़ा सा सेंधा नमक मिलाएं। इसमें 10-15 मिनट के लिए पैर डुबोकर रखें। नमक के एंटी-बैक्टीरियल गुण त्वचा से फंगस को खत्म करने और खुजली कम करने में मदद करते हैं। नीम को एंटी-फंगल और एंटी-सेप्टिक माना जाता है। नीम की पत्तियों को पानी में उबालकर उस पानी से पैरों को धोएं। इसके अलावा, आप इंफेक्शन वाली जगह पर नारियल तेल में नीम का तेल मिलाकर भी लगा सकते हैं। इससे खुजली और जलन में तुरंत आराम मिलेगा। फंगल इंफेक्शन से छुटकारा पाने के लिए आप टी ट्री ऑयल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। नारियल तेल या बादाम तेल की कुछ बूंदों में 2-3 बूंद टी ट्री ऑयल मिलाएं और रुई की मदद से प्रभावित जगह पर लगाएं। यह फंगस की ग्रोथ को रोकता है। एक टब में पानी भर लें। फिर इसमें बराबर मात्रा में पानी और एप्पल साइडर विनेगर मिलाकर टब में डालें और उसमें 15 मिनट पैर को रखें। विनेगर का एसिडिक नेचर फंगल इंफेक्शन को कम करने में मदद करता है। पैरों को सुखाकर रखें: नहाने या पैर धोने के बाद उंगलियों के बीच की जगह को तौलिये से अच्छी तरह सुखाएं। नमी फंगस का सबसे बड़ा कारण है। पैरों में नमी रोकने के लिए रोजाना टैलकम पाउडर की जगह एंटी-फंगल पाउडर का इस्तेमाल करें। बारिश के दिनों में बंद जूते या गीले मोजे पहनने से बचें। ऐसे जूते या स्लिपर पहनें जिनसे हवा का फ्लो बना रहे। अगर मोजे बारिश में भीग जाएं, तो उन्हें तुरंत उतार दें और साफ व सूखे मोजे ही पहनें। लगातार या गंभीर संक्रमण की स्थिति में डॉक्टर द्वारा बताई गई एंटी-फंगल दवाओं और सलाह का पालन करना आवश्यक है।

सेब से कम फायदेमंद नहीं है अमरूद, डॉक्टर बताते हैं क्यों रोज खाना चाहिए

अमरूद के फायदों को आम लोग कम आंकते हैं, जबकि डॉक्टर अमरूद को सेब जितना फायदेमंद बताते हैं। सीजन पर रोजाना 1 अमरूद खाने से वही फायदे मिलते हैं जो आपको सेब खाने पर मिलते हैं। बिना सीजन के सेब खाना कई बार महंगा पड़ जाता है, ऐसे में सीजनल अमरूद काफी सस्ता और फायदों में सेब जितना असरदार फल है। कुछ मामलों में तो अमरूद सेब से भी ज्यादा अच्छा है। अमरूद में विटामिन सी की मात्रा सेब से कहीं ज्यादा पाई जाती है। वहीं अमरूद में पाया जाने वाला फाइबर पेट के लिए बेहतरीन है। कुल मिलाकर पोषण के मामले में अमरूद महंगे फल सेब से जरा भी कम नहीं है।शारदा हॉस्पिटल के इंटरनल मेडिसिन डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉक्टर भुमेश त्यागी ने बताए रोज अमरूद खाने के फायदे।

इम्यूनिटी बढ़ाए- अमरूद में विटामिन C की मात्रा काफी ज्यादा होती है जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में असरदार काम करता है। रोजाना अमरूद खाने से सर्दी-जुकाम, सीजनल बीमारी और नॉर्मल इंफेक्शन का खतरा कम होता है। सेब की तुलना में अमरूद में विटामिन सी काफी ज्यादा पाया जाता है।

पाचन रखे दुरुस्त- फाइबर के मामले में सेब और अमरूद दोनों ही अच्छे फल हैं, लेकिन सेब से अमरूद में ज्यादा फाइबर होता है। अमरूद खाने से कब्ज की समस्या कम होती है और पाचन बेहतर बनता है। अमरूद खाने से पेट काफी देर तक भरा रहता है और वजन भी कम होता है। कब्ज की समस्या वालों को अमरूद डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

दिल के लिए फायदेमंद- अमरूद में मौजूद पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने और बैड कोलेस्ट्रॉल को घटाने में असरदार होते हैं।

घुटनों के दर्द और जकड़न से हैं परेशान? आयुष मंत्रालय ने बताई आसान 'नी मूवमेंट'

अगर आपको सीढ़ियां चढ़ने-उतरने में घुटनों में दर्द होता है, लंबे समय तक बैठने के बाद उठने में परेशानी होती है या घुटनों में जकड़न महसूस होती है, तो आपको ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है।

आयुष मंत्रालय ने एक आसान 'नी मूवमेंट' साझा किया है, जिसे नियमित रूप से करने से घुटनों की सेहत बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है। आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि घुटनों से जुड़ी परेशानियों से राहत पाने के लिए 'नी मूवमेंट' एक बेहतरीन आसान है।

इसे करते समय सही तरीके से सांस लेते हुए तथा शरीर का सही अलाइनमेंट बनाए रखकर करना चाहिए। इससे शरीर के निचले हिस्से को मजबूती मिलती है और रोजमर्रा के काम जैसे चलना, बैठना और उठना आसान हो सकता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं और शरीर को सामान्य स्थिति में रखें। अब गहरी सांस लेते हुए दोनों हाथों को सामने की ओर कंधों की ऊंचाई तक उठाएं। इस दौरान हथेलियां नीचे की ओर रहें। अब धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए घुटनों को मोड़ें और शरीर को आधी कुर्सी जैसी यानी सेमी-स्क्वाट की स्थिति में ले जाएं। ध्यान रखें कि अंतिम स्थिति में आपकी जांघें और दोनों हाथ जमीन के समानांतर हों। कुछ क्षण इस स्थिति में रहें और फिर सांस लेते हुए धीरे-धीरे वापस सीधे खड़े हो जाएं। इसे एक राउंड माना जाएगा। इसी तरह कुल तीन राउंड पूरे करें।

अभ्यास समाप्त होने के बाद कुछ देर सामान्य अवस्था में खड़े होकर शरीर को आराम दें। आयुष मंत्रालय के मुताबिक इस योगाभ्यास को नियमित करने से घुटनों के जोड़ों की मूवमेंट बेहतर होती है। घुटनों के आसपास की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, जिससे जोड़ों पर दबाव कम पड़ता है। इसके अलावा शरीर का संतुलन बेहतर होता है, लचीलापन बढ़ता है और पैरों में ताकत आती है। यह अभ्यास उन लोगों के लिए भी फायदेमंद हो सकता है, जो लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं और जिनके पैरों में अकड़न या कमजोरी महसूस होती है। योग करते समय जल्दबाजी बिल्कुल न करें। अपनी क्षमता के अनुसार ही घुटनों को मोड़ें और सांस लेने-छोड़ने की प्रक्रिया पर ध्यान दें।

बच्चों की अच्छी मेंटल ग्रोथ के लिए क्या खिलाएं, स्वामी रामदेव से जानिए कैसे शरीर और दिमाग को बनाएं मजबूत

बच्चों की मेंटल ग्रोथ इस वक्त काफी पैरेंट्स और टीचर्स के लिए बड़ा मुद्दा बना हुआ है। ज्यादातर लोग बच्चों के कंसंट्रेशन-अटैंशन डेफिसिट-कमजोर नजर और फिजिकल ग्रोथ को लेकर परेशान हैं। इसमें सबसे बड़ी वजह बन रहा है स्मार्ट फोन। ज्यादातर स्टूडेंट फोन का इस्तेमाल पढ़ाई से ज्यादा सोशल मीडिया के लिए कर रहे हैं। बढ़े हुए स्क्रीन टाइम से बच्चों में एंगर-एग्रेशन तो बढ़ा ही है। बच्चे रियलिटी से भी दूर भागने लगे हैं। मामला वाकई गंभीर है इसलिए स्वामी रामदेव से जानते हैं कि बच्चों को स्वस्थ, कुशल, अच्छे दिमाग वाला कैसे बनाएं।

ज्यादा स्क्रीन टाइम से बच्चे परेशान
अटेंशन-डेफ़िसिट
हाइपरएक्टिविटी
खराब कंसंट्रेशन
कमजोर नजर
ग्रोथ पर असर
ऑटिज्म

मोबाइल का इस्तेमाल?

युवा 24 घंटे में से 5-6 घंटे सेलफोन पर रहते हैं
नौकरी वाले 80% फोन पर रहते हैं
20% पढ़ाई करने वाले मोबाइल पर रहते हैं
MNC's वाले 8 घंटे लैपटॉप 5-6 घंटे मोबाइल पर रहते हैं

तेज दिमाग के लिए क्या खिलाएं

ब्राह्मी
शंखपुष्पी
अश्वगंधा
बच्चों के लिए सुपरफूड
दूध, ड्राई फ्रूट
ओट्स, बींस, शकरकंद
मसूर दाल

यूरिक एसिड में इस पीले फल का सेवन है बेहद लाभकारी, पेट भी होता है साफ़

हाई यूरिक एसिड (high uric acid) तब होता है जब आपका शरीर प्यूरिन पचाने में असमर्थ होता है। बता दें,प्यूरीन शरीर में स्वाभाविक रूप से उत्पन्न होने वाला पदार्थ है और कुछ खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों में भी ये काफी मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में इन खाद्य पदार्थों का सेवन आपके शरीर में यूरिक एसिड को बढ़ाता है। जब शरीर में यूरिक एसिड बढ़ता है तो इस वजह से जोड़ों में क्रिस्टल जम होने लगते हैं जो जॉइंट्स में सूजन और दर्द का कारण बनते हैं। इससे गाउट की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में इसे कंट्रोल करने के लिए डाइट बेहतर करें और अपने आहार में केला का सेवन (Banana in Uric Acid) शुरू करें। चलिए, जानते हैं केला यूरिक एसिड में कैसे फायदेमंद है और इसका सेवन कैसे करें?

केला बहुत कम प्यूरीन वाला फूड है। यह विटामिन सी का भी एक अच्छा स्रोत है जो शरीर के एल्काइल नेचर को बढ़ाकर यूरिक एसिड के क्रिस्टल को पिघला सकता है। यानी जो प्यूरिन आपके जोड़ों में जमा हो जाते हैं और दर्द और सूजन पैदा करते हैं, केला उसे शरीर से डिटॉक्स करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा इसका सिट्रिक एसिड बॉडी में यूरिक एसिड की समस्या को कम करने में मदद करता है।

इस विटामिन की कमी से आती है ज्यादा नींद, रातभर सोने के बाद भी सुबह छाया रहता है आलस

रात में अच्छी और गहरी नींद आ जाए तो पूरा दिन फ्रेशनेस फील होती रहती है। हालांकि कई बार रातभर सोने के बाद भी नींद पूरी नहीं होती है।

सुबह उठने का मन नहीं करता और दिनभर आलस छाया रहता है। इसकी वजह नींद की कमी नहीं बल्कि शरीर में विटामिन की कमी भी हो सकती है। जी हां कई बार शरीर में कुछ खास विटामिन कम होने पर आपकी नींद कम या ज्यादा होने लगती है। जिससे दिनभर आलस और थकान महसूस होती है। शरीर में विटामिन और मिनरल्स का बैलेंस बिगड़ने से पूरे शरीर पर असर पड़ता है। ऐसे कई विटामिन हैं जिनकी कमी होने पर बहुत ज्यादा नींद आती है। आइये जानते हैं किस विटामिन की कमी से ज्यादा नींद आती है?

Vitamin D- जब शरीर में विटामिन डी कम होने लगता है तो इससे नींद की समस्याएं पैदा होने लगती हैं। विटामिन डी की कमी से दिनभर थकान, कमजोरी और ज्यादा नींद आने की समस्या हो सकती है। विटामिन डी कम होने पर शरीर में कैल्शियम फास्फोरस की कमी भी बढ़ती है। जिससे हड्डियों में दर्द रहता है। इम्यूनिटी कमजोर होने लगती है और दिनभर आलस आता है। हर वक्त नींद जैसी महसूस होती रहती है। इसलिए शरीर में विटामिन डी की कमी न होने दें।

Vitamin B12- ज्यादा नींद आने की एक बड़ी वजह विटामिन बी12 की कमी भी हो सकती है। विटामिन बी12 कम होने पर काफी ज्यादा नींद आने लगती है। विटामिन बी12 लो होने से न्यूरोलॉजिकल और मानसिक समस्याएं पैदा होने का खतरा बढ़ जाता है।

Guillain Barre Syndrome से बचने के लिए डाइट का रखें ख़ास ख्याल

महाराष्ट्र में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (GBS) के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। पुणे में कई केस सामने आने के बाद सोलापुर में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम से एक की मौत हो चुकी है। महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग की मानें तो 26 जनवरी तक गुइलेन बैरे सिंड्रोम के 101 एक्टिव मरीज थे। जिसमें पुणे, पिंपरी चिंचवाड़ और कई दूसरे जिले शामिल हैं। GBS होने पर अगर समय रहते मरीज को इलाज न मिल पाए तो स्थिति गंभीर हो सकती है।

ऐसे में दिल्ली की एमडी मेडिसिन, डीएम न्यूरोलॉजी डॉ. प्रियंका सेहरावत ने एक वीडियो शेयर कर यह जानकारी दी है कि इस बीमारी से बचन के लिए आपको अपनी डाइट में क्या नहीं शामिल करना चाहिए? गुइलेन-बैरे सिंड्रोम में मांसपेशियों में कमजोरी आ जाती है। इस बीमारी में हाथ पैरों में गंभीर कमजोरी जैसे लक्षण भी होते हैं। जीबीएस के लक्षण आमतौर पर दोनों पैरों में शुरू होते हैं, फिर बाहों में ऊपर की ओर बढ़ते हैं। कभी-कभी, लक्षण बाहों या सिर में शुरू होते हैं और नीचे की ओर बढ़ते हैं। लक्षणों में कमजोरी और एक असहज झनझनाहट शामिल है। असामान्य संवेदना की तुलना में कमजोरी अधिक प्रमुख होती है। इम्यून सिस्टम हमारे ही शरीर पर अटैक कर देता है। इसके लक्षण तेजी से फैलते हैं। इस बीमारी से बचने के लिए पनीर, चावल और चीज़ का सेवन न करें की सलाह दी है।

कई बीमारियों का काल है बन सकता है ये कटीला पौधा, नाम है सत्यानाशी

बंजर नदी या फिर पार्क में अपने आप उग आने वाला एक कटीला पौधा है, जिसका इस्तेमाल कई आयुर्वेदिक दवाओं के रूप में किया जाता है। इस पौधे को सत्यानाशी कहते हैं। खाली जगह या जंगल में ये पौधा अपने आप उग आता है। इस पर पीले रंग ता फूल आता है और पूरे पेड़ में कांटे लगे होते हैं। ये पौधा बड़े कमाल का होता है। जानिए कौन सी बीमारियों में इसका उपयोग किया जाता है और इसका औषधीय महत्व क्या है?

आर्युवेद की बात करें तो सत्यानाशी पौधा बहुत ही फायदेमंद औषधि मानी जाता है। इसके बीजों का इस्तेमाल कर कई बीमारियों में किया जाता है। इसके बीज बिल्कुल सरसों के दानों के बराबर होते हैं। इसके अलावा पीले रंग के फूल भी फायदेमंद होते हैं। सत्यानाशी पौधे को स्वर्णक्षीरी, कटुपर्णी, पीला धतूरा, दारुड़ी नाम से भी जाना जाता है। इस पौधे का इस्तेमाल कई रोगों की दवा के रूप में किया जाता है। पत्तियों को मलेरिया बुखार, अल्सर और स्किन संबंधी समस्याओं में उपयोग किया जाता है। वहीं जड़ का इस्तेमाल यूरिन संबंधी समस्याओं के साथ स्किन संबंधी रोगों से निजात पाने के लिए भी किया जाता है। इसका रस पोलियो, मोतियाबिंद, आंखो की लालिमा, अस्थमा जैसी बीमारियों में फायदा करता है।

शरीर का संतुलन और रीढ़ की हड्डी मजबूत करने के लिए अपनाएं 'वशिष्ठासन', ऐसे करें अभ्यास

वशिष्ठासन योगासन एक ऐसा शक्तिशाली आसन है, जो शारीरिक शक्ति और मानसिक एकाग्रता बढ़ाता है। यह एक साइड-प्लैंक अभ्यास नहीं है बल्कि अपनी सीमाओं को चुनौती देकर आंतरिक संतुलन पाने का मार्ग है। वशिष्ठासन संस्कृत के दो शब्दों से मिलकर बना हुआ है। 'वशिष्ठ' का अर्थ है 'श्रेष्ठ' या 'सबसे उत्तम' और 'आसन' का अर्थ है 'बैठने या शरीर की मुद्रा'। अंग्रेज़ी में इसे साइड प्लैंक पोज कहा जाता है। इस आसन को करने के दौरान शरीर का भार एक हाथ और पैर के बाहरी किनारे पर संतुलित रहता है। सिर से लेकर एड़ी तक शरीर एक सीधी तिरछी रेखा बनाता है, दूसरा हाथ सीधा ऊपर की ओर रहता है और नजर ऊपर उठे हुए हाथ की ओर होती है। यह आसन शरीर में संतुलन, स्थिरता और एकाग्रता विकसित करता है। आयुष मंत्रालय ने भी इस आसन के महत्व पर प्रकाश डाला है। उनके अनुसार, वशिष्ठासन (साइड प्लैंक) संतुलन और शारीरिक शक्ति बढ़ाने वाला एक प्रमुख योगासन है। यह मुद्रा शरीर के संतुलन, एकाग्रता और रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाने में बेहद प्रभावी है। इस आसन के नियमित अभ्यास करने से चलने, खड़े रहने और लंबे समय तक कुर्सी पर बैठने के दौरान भी शरीर की मुद्रा (पोश्चर) सुधरती है और संतुलन पहले से बेहतर हो जाता है।

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर बैठ जाएं और दोनों पैरों को सामने की तरफ सीधा फैला लें। अब अपने दोनों हाथों को हथेलियों के सहारे कूल्हों के पास जमीन पर टिका लें। अपने शरीर के पूरे वजन को धीरे-धीरे दाहिनी हथेली और दाहिने पैर के बाहरी हिस्से पर स्थानांतरित करें। अब अपने बाएं पैर को दाहिने पैर के ऊपर बिल्कुल सीधा रख लें (ताकि दोनों पैर एक-दूसरे के ऊपर आ जाएं)। बाएं हाथ को अपनी कमर पर टिका लें और दाहिने हाथ के मजबूत सहारे से शरीर को ऊपर की तरफ उठाएं। गहरी सांस लेते हुए अपने बाएं हाथ को आसमान की तरफ बिल्कुल सीधा ऊपर उठाएं। गर्दन को ऊपर की ओर मोड़ें और अपनी बाएं हाथ की उंगलियों की तरफ देखें। इस स्थिति में शरीर एक सीधी रेखा में होना चाहिए। इस अवस्था में कुछ सेकंड सामान्य रूप से सांस लेते हुए रुकें। इसके बाद धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए सामान्य अवस्था में वापस आ जाएं।

यदि आपको कलाई, कोहनी या कंधे में गंभीर चोट या दर्द हो, तो इस आसन से बचें। योग विशेषज्ञों के अनुसार, वशिष्ठासन का नियमित अभ्यास करने से कंधों, भुजाओं, कलाइयों, पेट की मांसपेशियों और पैरों में मजबूती आती है। यह कोर मसल्स को सक्रिय करता है, जिससे शरीर का संतुलन बेहतर होता है और रीढ़ को आवश्यक सहारा मिलता है। हालांकि, इस आसन का अभ्यास हमेशा अपनी क्षमता के अनुसार और सही तकनीक के साथ करना चाहिए।

दिल्ली के लोधी कॉलोनी इलाके के एक घर में लगी भीषण आग, 2 बेटियों और उनकी मां की मौत, मचा हड़कंप

नई दिल्ली। दिल्ली की लोधी कॉलोनी इलाके के एक घर में भीषण आग लग गई, जिससे 3 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 2 बेटियां और उनकी मां शामिल है। मिली जानकारी के मुताबिक, सुबह 10 बजकर 21 मिनट पर आग लगने की जानकारी मिली थी। घटना लोधी थाने के बीके दत्त कॉलोनी की है। 11 बजकर 10 मिनट पर आग पर काबू पा लिया गया। आज ही दिल्ली के फतेह नगर में भी पार्किंग में आग लगी थी। यहां 4 वाहन जलकर राख हो गए और 8 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। ये घटना फतेह नगर इलाके में सुबह करीब 3:50 पर घटी। मिली जानकारी के मुताबिक, पार्किंग में रखे हुए 2 एलपीजी सिलेंडर आग की चपेट में आ गए, जिससे जोरदार धमाका हो गया और कई वाहन आग की चपेट में आ गए। हालांकि गनीमत ये रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। दमकल की 9 गाड़ियों ने विकराल आग पर काबू पाया और 8 लोगों को रेस्क्यू किया। बीती 5 जुलाई को ही दिल्ली के चंदन होला के कारखाने में भी भीषण आग लगी थी, जिसे बुझाने में 8 घंटे से ज्यादा की मशक्कत करनी पड़ी थी। यहां लगी आग को बुझाने में दमकल की 30 गाड़ियां पहुंची थीं और बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया गया था। ये कारखाना 5,000 वर्ग गज में फैला हुआ था।

जब असल में बातचीत शुरू होती है, तो वे कहां होते हैं? चिराग पासवान का विपक्ष पर बड़ा आरोप

नई दिल्ली। नीट परीक्षा लीक मामले में धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन हो रहा है। इसके बीच, आज कांग्रेस ने भी पीएम आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है, जिसे कांग्रेस नेता राहुल गांधी लीड कर रहे हैं। इसके साथ ही कई विपक्षी नेता केंद्र सरकार पर हमलावर है। अब विपक्ष के विरोध प्रदर्शन को लेकर मंत्री चिराग पासवान ने बड़ी बात कही है।

उन्होंने कहा, "विपक्ष हम पर बार-बार यह आरोप लगाता है कि हम बातचीत नहीं करते, है ना? लेकिन जब असल में बातचीत शुरू होती है, तो वे कहां होते हैं?... सच कहूं तो, मुझे लगता है कि विपक्ष से कुछ भी कहना भैंस के आगे बीन बजाने जैसा है। वे बस सुनना ही नहीं चाहते। विपक्ष पर हमलावर चिराग पासवान ने कहा, उन्हें इस बात से कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि यहां सुप्रीम कोर्ट के जजों की संख्या बढ़ाने जैसे अहम मुद्दे उठाए जा रहे हैं... आज NDA सांसदों के साथ बैठक में प्रधानमंत्री ने साफ़ कहा कि भारत के भविष्य या युवाओं और छात्रों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। आपको उन मुद्दों को उनके अंजाम तक पहुंचाना चाहिए।

आप आज एक मुद्दा उठाते हैं, लेकिन अगले सत्र में कोई नया मुद्दा ले आते हैं।

हिमाचल में भारी बारिश का रेड अलर्ट, तीन जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद; कब तक बरसते रहेंगे बदरा?

हिमाचल प्रदेश में मानसून लगातार कहर बरपा रहा है। यहां नदियां उफान पर हैं, पहाड़ दरक रहे हैं और बादल फटने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। प्रदेश में भारी बारिश को लेकर मौसम विभाग ने 'रेड' अलर्ट जारी किया, जिसके मद्देनजर मंगलवार को कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिलों में सभी स्कूल और कॉलेज बंद रहे। लगातार बारिश के कारण शिमला जिले के ठियोग, चंबा के सलूणी और कुल्लू के निरमंड में भी सभी शिक्षण संस्थान बंद कर दिए गए। इस बीच मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में 27 जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को कांगड़ा जिले के शाहपुर उप-संभाग की बोह घाटी में भारी बारिश की वजह से 6 घर बह गए। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बादल फटने से सपेड़ी और गरुड़ गांवों में छह घर बह गए। लाम गांव पर भी खतरा मंडरा रहा है। गांवों तक जाने वाले कई रास्ते प्रभावित हुए हैं। किन्नौर जिले में लैंडस्लाइड के कारण पुराना हिंदुस्तान-तिब्बत मार्ग (राष्ट्रीय राजमार्ग-5) यातायात के लिए बंद कर दिया गया। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

थाने पहुंचीं सोनिया गांधी, बेटे राहुल और बेटी प्रियंका की हुई रिहाई, अखिलेश भी हुए रिहा, जानें वजह

दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार,स्पेशल कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर देवेश श्रीवास्तव ने सभी स्पेशल कमिश्नर के साथ नई दिल्ली डीसीपी ऑफिस में मीटिंग की। राहुल गांधी,प्रियंका गांधी समेत सभी नेताओं को दिल्ली पुलिस ने कागजी कार्रवाई के बाद रिहा कर दिया। पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार मीटिंग से निकल गए थे, लेकिन बाकी स्पेशल कमिश्नर की मीटिंग जारी रही। बता दें कि तीन घंटे तक पुलिस हिरासत में रखने के बाद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव के साथ डिटेन किए गए सभी नेताओं को रिहा किया गया। कांग्रेस के सभी नेताओं को 65 दिल्ली पुलिस एक्ट (65 DP Act) में बुक किया गया था और तीन घंटे की हिरासत में रखने के बाद सभी नेताओं को दिल्ली पुलिस ने रिहा कर दिया। कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी खुद मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंची थीं, जहां प्रियंका गांधी सहि विपक्ष के कुछ नेताओं को, जो लोक कल्याण मार्ग पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे और जिन्हें दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया था, कुछ देर पहले ही पुलिस स्टेशन लाया गया था। दिल्ली पुलिस एक्ट (Delhi Police Act) की धारा 65 के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति किसी पुलिस अधिकारी द्वारा दिए गए उचित और वैध निर्देशों का पालन करने से इनकार करता है, विरोध करता है, या अनदेखी करता है, तो पुलिस अधिकारी उसे मौके से हटा सकता है, और बिना वारंट के हिरासत में ले सकता है। कांग्रेस नेता सचिन पायलट (@SachinPilot) ने कहा, "लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता (LoP) और करीब 100-150 सांसद एक मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे। हम कल युवाओं के साथ किए गए बर्ताव की निंदा करते हैं; उन पर लाठीचार्ज किया गया और छात्रों पर हमले हुए। सरकार और पुलिस का जो चेहरा सामने आया है, वह किसी को भी मंजूर नहीं है। जिस तरह लोकसभा में विपक्ष के नेता को जबरदस्ती हटाया गया... सवाल यह है कि सड़क का नाम बदलकर 'लोक कल्याण मार्ग' रखा गया है, तो जन-कल्याण के लिए राहुल गांधी वहां मौजूद थे। पायलट ने कहा, सरकार को शिक्षा मंत्री का इस्तीफ़ा लेना चाहिए था, छात्रों के ख़िलाफ़ दर्ज FIR वापस लेनी चाहिए थी और पेपर लीक के मामले पर बयान देना चाहिए था, लेकिन कई नेताओं को वहां से हटा दिया गया। यह लोकतंत्र के लिए एक काला दिन है। लोग नाराज़ हैं... जिस तरह राहुल गांधी को घसीटा गया, वह बर्दाश्त के बाहर है। लोग न्याय चाहते हैं और हम न्याय लेकर रहेंगे..." दिल्ली में हुए इस घटनाक्रम के बाद राजनीतिक माहौल और अधिक गर्म हो गया। विपक्षी दलों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया, जबकि प्रशासन की ओर से कानून-व्यवस्था बनाए रखने को प्राथमिकता बताते हुए आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात कही गई। मामले को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की प्रतिक्रियाएं लगातार सामने आ रही हैं। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और निर्धारित प्रतिबंधों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए। वहीं कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे सांसदों और नेताओं के साथ पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई अनुचित थी।

राजस्थान में SC-ST अत्याचार के मामलों में 28% की कमी, 53 दिनों में मामलों का निपटारा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को दावा किया कि राज्य में पिछले करीब ढाई वर्षों में अनुसूचित जातियों (SC) और अनुसूचित जनजातियों (ST) के खिलाफ अत्याचार के मामलों में लगभग 28 प्रतिशत की कमी आई है। राज्य सरकार द्वारा उठाए गए सख्त और त्वरित कदमों के कारण यह सफलता मिली है।

जयपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित 'राज्य स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति' की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार एससी-एसटी समाज को सुरक्षित, न्यायपूर्ण और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने एससी-एसटी समुदाय के खिलाफ अपराध करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने और ऐसे मामलों में समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, "राज्य सरकार एससी और एसटी समुदाय के लोगों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

पिछले करीब ढाई वर्षों में उठाए गए कदमों के कारण अत्याचार के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे मामलों में कमी आने के साथ-साथ उनके निस्तारण की गति में भी सुधार हुआ है। सीएम भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संवेदनशील मामलों की जांच गंभीरता और तत्परता से की जाए तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा, "एससी-एसटी समुदाय के खिलाफ होने वाले अपराधों से सख्ती से निपटा जाए और समाज में सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के प्रयास भी किए जाएं।" वहीं 1 वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों के निपटारे के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा और थाना एवं जिला स्तर पर इनकी निरंतर निगरानी की जाएगी।

राजा रघुवंशी मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी पत्नी सोनम रघुवंशी को दिया अल्टीमेटम, "सरेंडर करो या मेरिट पर फैसला सुनो"

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने घटना के बाद सोनम के आचरण और रवैये पर भी सवाल खड़े किए।

मेघालय के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य आरोपी और मृतक की पत्नी सोनम रघुवंशी को दो विकल्प दिए हैं। मेघालय सरकार द्वारा सोनम को मिली जमानत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने साफ किया है कि आरोपी के पास केवल दो ही रास्ते बचे हैं। सोनम पर अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का आरोप है। जस्टिस एमएम सुंदेश और पीबी वराले की बेंच ने सोनम के वकील से कहा कि कोर्ट या तो उनकी दलीलें सुनने के बाद मेघालय सरकार की अपील (उनकी जमानत के खिलाफ) पर मेरिट के आधार पर फैसला कर सकता है, या फिर जमानत के मामले पर विचार करने के दौरान उन्हें अभी सरेंडर करने (गवाहों से पूछताछ के लिए) का निर्देश दे सकता है। कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा, "आपके (सोनम के वकील के) पास दो विकल्प हैं। या तो हम मेरिट के आधार पर आदेश पारित करेंगे या हम आपको सरेंडर करने के लिए कहेंगे और सरकारी गवाहों को आपसे पूछताछ करने देंगे। इस बीच, हम जमानत के मामले पर मेरिट के आधार पर फैसला करेंगे।" सोनम के वकील ने निर्देश लेने के लिए समय मांगा और कोर्ट को बताया कि वह गुरुवार तक जवाब देंगे। सुनवाई के दौरान, कोर्ट ने घटना के बाद सोनम के बर्ताव पर भी सवाल उठाए और इस आरोप पर सफाई मांगी कि सोनम ने पहले यह बात नहीं उठाई थी कि उन्हें "गिरफ्तारी के आधार" नहीं बताए गए थे। सोनम की जमानत का विरोध करते हुए, मेघालय सरकार की ओर से पेश भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि सोनम ने खुद पुलिस के सामने सरेंडर किया था और बाद में वह अपनी गिरफ्तारी को इस आधार पर चुनौती नहीं दे सकतीं कि उन्हें गिरफ्तारी के कारण नहीं बताए गए थे। उन्होंने कहा कि अरेस्ट मेमो में कोई भी चूक महज एक क्लर्क की गलती थी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, "अगर गिरफ्तार आरोपी रंगे हाथों पकड़ा जाता है, तो गिरफ्तारी के कारण बताने की कोई जरूरत नहीं होती। अगर आरोपी खुद पुलिस के पास आती है, तो पुलिस के लिए गिरफ्तारी का कोई कारण नहीं बनता।"

कनिष्क नारायण बने ब्रिटेन के पहले कैबिनेट-स्तरीय AI मंत्री, बिहार के मुजफ्फरपुर से क्या है कनेक्शन?

बिहार के मुजफ्फरपुर के रहने वाले भारतीय मूल के नेता कनिष्क नारायण ने ब्रिटेन की राजनीति में नया इतिहास रच दिया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने उन्हें कैबिनेट स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) मंत्री नियुक्त किया है। इसके साथ ही ब्रिटेन में पहली बार AI के लिए समर्पित मंत्रालय को सीधे कैबिनेट का दर्जा मिला है और इसकी जिम्मेदारी भारतीय मूल के युवा नेता को सौंपी गई है।

मुजफ्फरपुर की छोटी-छोटी गलियों से शुरू हुआ कनिष्क का यह सफर दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र में से एक केंद्रीय मंत्रिमंडल तक पहुंच चुका है। कनिष्क नारायण का जन्म मुजफ्फरपुर शहर के दामुचक स्थित ऐतिहासिक सोंधो हाउस में हुआ था। 12 वर्ष की उम्र में उनका परिवार बेहतर भविष्य की तलाश में वेल्स की राजधानी कार्डिफ़ चला गया।

शुरुआती दिनों में परिवार ने आर्थिक संघर्ष का सामना किया और एक छोटे से फ्लैट में रहते हुए कनिष्क ने स्थानीय सरकारी स्कूल से अपनी पढ़ाई शुरू की।

बाद में उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से उच्च शिक्षा प्राप्त की और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से एमबीए किया।

राजनीति में आने से पहले वह ब्रिटेन के कैबिनेट ऑफिस में वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार रहे, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री और वरिष्ठ मंत्रियों को नीतिगत सलाह दी। उन्होंने अमेरिका की सिलिकॉन वैली की कई प्रमुख टेक कंपनियों में भी काम किया। साल 2024 के आम चुनाव में कनिष्क लेबर पार्टी के टिकट पर वेल्स की वेल ऑफ ग्लैमॉर्गन सीट से सांसद चुने गए। वह इस क्षेत्र से चुने जाने वाले पहले एथनिक माइनॉरिटी सांसद भी बने। सितंबर 2025 में उन्हें AI एवं ऑनलाइन सेफ्टी मंत्री बनाया गया था और अब उन्हें कैबिनेट में पदोन्नत कर AI मंत्रालय की बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। कनिष्क नारायण, मुजफ्फरपुर के प्रतिष्ठित एसकेजे लॉ कॉलेज के निदेशक जयंत कुमार के भतीजे हैं। उनके पिता संतोष कुमार और माता चेतना सिन्हा कार्डिफ़ में प्रतिष्ठित सॉलिसिटर हैं, जबकि बड़े भाई डॉ. गौतम नारायण लंदन में डॉक्टर हैं। विशेष रूप से तकनीक और नवाचार जैसे तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में उनका नेतृत्व भविष्य की नीतियों को नई दिशा दे सकता है।

मंदसौर में स्कूल से लौट रहे बच्चों पर अचानक टूट पड़े लड़ते हुए सांड, रौंदकर निकले आगे, CCTV में कैद हुई घटना

मध्यप्रदेश के मंदसौर शहर में इन दिनों आवारा सांडों ने तहलका मचा रखा है। हाल ही में शहर की चक्रवर्ती विहार कॉलोनी में सोमवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक महिला और स्कूल से घर लौट रहे बच्चे अचानक दो लड़ते हुए सांड़ों की चपेट में आ गए। इस दौरान महिला के साथ एक और बच्चा मौजूद था और उन्हें रौंदते हुए सांड आगे निकल गए। गनीमत रही कि इस घटना में किसी बच्चे को गंभीर चोट नहीं आई और सभी बाल-बाल बच गए। घटना सोमवार दोपहर के समय की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कॉलोनी की सड़क पर दो सांड़ आपस में भिड़ गए। इसी दौरान स्कूल से लौट रहे बच्चे वहां से गुजर रहे थे।

बच्चे सड़क किनारे खड़े थे जो अचानक सांड़ों की लड़ाई की चपेट में आ गए। इस दौरान एक महिला और उसके साथ मौजूद एक अन्य बच्चा भी सांडों की लड़ाई के शिकार हो गए। जैसे ही लड़ते हुए सांडों को बच्चों और महिला ने अपनी तरफ आते देखा, वह घबराकर इधर-उधर भागे, लेकिन सांड इतनी तेजी से आए कि किसी को बचने का मौका ही नहीं मिल सका। एक बच्चा जहां इस हमले के चलते दीवार से जोर से टकरा गया तो वहीं इक लड़की बगल में गिर गई। वहीं महिला और एक अन्य बच्चा जमीन पर गिर पड़े, जिससे बैल उन्हें रौंदते हुए आगे निकल गए। जैसे ही सांडों ने बच्चों और महिला पर हमला किया, आस-पास मौजूद लोग उनकी मदद के लिए तेजी से आगे बढ़े।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार । RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415